हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 13 अप्रैल 2025

तापमान

अधिकतम 36 .4 डिग्री
न्यूनतम 14 .5 डिग्री

9 श्रद्धा से मनाया हनुमान जन्मोत्सव, जय श्री राम ...

10 गांव मायना और कन्हेली में साइक्लोथॉन का भव्य ...

खबर संक्षेप

मदवि: यूएमसी केस की सुनवाई 15 को

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की दिसंबर 2024 में आयोजित बीएएलएलबी तथा एलएलबी के प्रथम, तीसरे, पांचवें, सातवें, नौंवे तथा दसवें सेमेस्टर, बीए, बीकॉम, बीसीए, बीटेक,एमएससी तथा स्पेशल चांस की परीक्षाओं के यूएमसी केसों की सुनवाई 15 अप्रैल को प्रातः 10 बजे तथा दोपहर 2.30 बजे परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में आयोजित की जाएगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने बताया कि दिसंबर 2024 में ही आयोजित बी.टेक-प्रथम, तीसरे, पांचवें, सातवें व आठवें सेमेस्टर तथा एमटेक- प्रथम व तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाओं के यूएमसी केसों की सुनवाई 16 अप्रैल को प्रातः 10 बजे तथा दोपहर 2.30 बजे परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में आयोजित की जाएगी। संबंधित अभ्यर्थी अपने रोल नंबर विश्वविद्यालय वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को यूएमसी सुनवाई के लिए प्रातः 9.30 बजे तथा दोपहर 2 बजे कंडक्ट ब्रांच में अपनी हाजिरी दर्ज करवानी होगी।

वैश्य महिला कॉलेज में इंटेलेक्चुअल एरीना स्पर्धा

रोहतक। वैश्य महिला महाविद्यालय के बीबीए विभाग द्वारा इंटेलेक्चुअल एरीना प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय यूथ फॉर द फ्यूचर रहा। प्रतियोगिता में सिद्धार्थ और मितेश की टीम ने प्रथम, सोनल और हिमांशी की टीम ने द्वितीय और दृष्टि और ज्योति की टीम ने तृतीय पुरस्कार हासिल किया।

स्लोगन लेखन में हर्षित प्रथम

रोहतक। वैश्य महाविद्यालय की एनसीसी यूनिट द्वारा युवा शक्ति विकसित भारत विषय पर स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें एनसीसी कैडेट्स ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। प्राचार्य डॉ संजय गुप्ता ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि आप सब देश के युवा, देश की आन-बान-शान हो।

गर्मी बढ़ते ही कई कॉलोनियों में बिजली कटौती शुरू, लोग परेशान

बिजली लाइन मेंटेनेंस के दावे हवा-हवाई आज लगेंगे 33 कॉलोनियों में घंटों के कट

- फीडरों की संख्या बढ़ाने और केबल और ट्रांसफार्मरों के बदलने पर करोड़ों रुपये खर्च कर चुका है बिजली निगम

नीरज वर्मा ▶▶| रोहतक

गर्मी के मौसम में लोगों को बिजली कटों से निजात मिले। इसके लिए बिजली वितरण निगम ने गर्मी सीजन प्रारंभ होने से पहले बड़े पैमाने पर काम करवाना था। लेकिन निगम ऐसा शायद ही कर पाया हो। जिस तरह से गत वर्ष की गर्मियों में मेंटिनेंस के लिए कट लगाए जाते थे, ठीक उसी तरह इस समय भी कट लगाए जा रहे हैं। विभाग के अधिकारी हर रोज शाम को शेड्यूल जारी कर रहे हैं कि कल बिजली लाइनों की मेंटिनेंस होगी और उस-उस कॉलोनी में बिजली के इस समय से उस समय तक कट रहेंगे।

योजना तैयार की थी

यहां ये भी बता दें कि बिजली निगम के अधिकारियों ने गर्मियों में बिजली कट ना लगे इसके लिए गत दिसंबर में एक विशेष योजना तैयार की थी। इसके तहत बिजली निगम ने गर्मियों में बिजली के कटों से छुटकारा पाने के लिए फीडरों की संख्या बढ़ाई गई और साथ ही केबल और ट्रांसफार्मर भी बदले जा चुके हैं। जिसके लिए बिजली निगम द्वारा करोड़ों रुपये की राशि खर्च की जा चुकी है।

जनवरी में शुरू हुआ था कार्य

बताते चलें कि गत जनवरी माह से इस योजना के तहत कार्य शुरू किया जा चुका है। अधिकारियों ने ये दावा किया है कि कार्य शुरू किया जा चुका है, इसके बाद फाल्ट आने की अधिकतर समस्याएं खत्म हो गई हैं। वहीं अगर बिजली कटों की बात करें तो कई कॉलोनियों में अभी भी बिजली के लंबे लंबे कट लगते हैं।

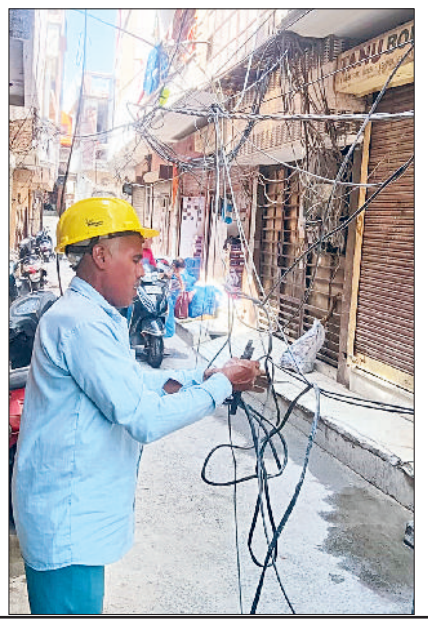

सुबह 11 से 5 बजे तक
1. खोखरा कोट
2. राजीव कॉलोनी
3. पाडा मौहल्ला
4. हनुमान कॉलोनी
5. तेज कॉलोनी
6. सालारा मोहल्ला
7. निसान शोरूम
8. सुखपूरा चौक
9. मैन रोड

सुबह 10:30 से 4 बजे तक
10. दिल्ली गेट फिडर
11. किला रोड मंदिर वाली गली
12. प्रताप मोहल्ला
13. किला मोहल्ला
14. बड़ा बाजार

सुबह 7 से 10 बजे तक
15. पॉवर हाउस
16. गद्दी खेड़ी रोड
17. बिट्टू प्लेटिंग वाली गली
18. कब्बड़ी एकेडमी वाली गली
19. रवींद्र डेयरी वाली गली
20. पीर वाली गली
21. सैनी मार्केट

सुबह 8 से 10 बजे तक
22. 11 केवी आईडीसी
23. 11 केवी आईडीसी
24. 11 केवी निकोन स्टील
25. 11 केवी हनुमत वायर
26. 11 केवी पंचरत्ना
27. 11 केवी समर गोपालपुर खुर्द

सुबह 7 से 10 बजे तक
28. बाबा मस्तनाथ विवि
29. आईजी ऑफिस
30. केंद्रीय विद्यालय
31. तिलियार परिसर

सुबह 7 से 11 बजे तक
33 केवी आईएमटी
11 केवी आईएमटी

बिजली उपकरण इस्तेमाल के साथ ही लोड भी बढ़वाएं

गर्मी में लोड बढ़ना शुरू हो जाता है, इसलिए बिजली के कट लग रहे हैं। लोग घरों में एसी तो लगवा लेते हैं लेकिन लोड नहीं बढ़वाते, जिस कारण ओवरलोड हो जाता है और बिजली बाधित होती है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि बिजली उपकरण इस्तेमाल के साथ ही लोड भी बढ़वाएं। **-मनिंद्र सिंह**, एसई बिजली निगम

गांव शिमली में देर रात वारदात

परिवार पर घर में घुसकर लाठी डंडों से जानलेवा हमला, केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव शिमली में देर रात एक परिवार पर घर में घुसकर कुछ युवकों ने लाठी डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। इसकी सूचना शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पीड़ति साहिल ने बताया कि देर रात वह खेत में काम करने के बाद घर लौट रहा था। घर पास ही ताऊ का लड़का मनीष बाइक से जा रहा था। मनीष ने बाइक रोककर उसके साथ गाली गलौज की। इसी दौरान दूसरे ताऊ के लड़के कर्मबीर व देवेंद्र भी वहां पहुंच गए। वह अनहोनी के डर से जब वहां से चलने लगा तो तीनों ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। साहिल ने बताया कि आरोपी उसके घर में घुस गए और जान से मारने की नीयत से मनीष ने फरसे से वॉर कर दिया। वहीं, संदीप ने पिता महाबीर पर फरसे से वॉर किया। जबकि ताई कमला ने मां अनिता को पकड़ लिया। इसी बीच ताऊ कपूर डंडा लेकर आया और पिता महाबीर के साथ मारपीट करने लगा।

गांव मकड़ौली कलां में घटना

परिवार पर कार सवार युवकों ने किया जानलेवा, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव मकड़ौली कलां में देर रात परिवार पर कार सवार युवकों ने जानलेवा हमला कर दिया। इसकी सूचना सदर थाना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके ने पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में पीड़ति रिंकू ने बताया कि देर रात धामड़ वाले रोड पर खेत के पास मंजीत व विक्रम के बीच ट्रैक्टर को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद वह मंजीत व रितिक के साथ घर आ गया। रात करीब एक बजे विक्रम, मंजीत उर्फ भोला, दीपक, संजीत, सचिन, अमन, जयवीर व अन्य साथियों के साथ आया और लाठी डंडे व फावड़े से जानलेवा हमला कर दिया। रिंकू ने बताया कि आरोपियों के हाथों में लाठी, डंडे व फावड़ा था और आते ही ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में विक्रम ने सिर में फावड़ा मारा, जबकि अन्य आरोपियों ने शरीर पर लाठी डंडों से वॉर किया।

पाइप लाइन न जोड़े जाने पर सीसर खास के किसानों ने थाने में दी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

सीसर खास गांव के कुछ किसानों ने खेतों की पाइप लाइन न जोड़े जाने से परेशान होकर कंपनी कर्मचारियों के खिलाफ महम थाने में शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में सीसर खास गांव के किसान कुलदीप, महेंद्र, हरज्ञान, रिंकू, दलबीर और रोहित ने कहा है कि इंडियन ऑयल कंपनी ने उनके खेतों के बीच से जमीन में तेल की पाइप लाइन बिछाई थी। इस दौरान उनके द्वारा खेतों की सिंचाई के लिए बिछाई गई पानी की पाइप लाइन टूट गई। पिछले एक महीने से वे कंपनी कर्मचारियों से पाइप लाइन को ठीक करने की मांग रहे हैं, लेकिन कंपनी के कर्मचारी उनको बार बार झूठ बोलकर गुमराह कर रहे हैं और उनकी पानी की पाइप लाइन को नहीं जोड़ रहे। पाइप लाइन समय पर जोड़ने से उनके खेतों में गेहूं में अंतिम बार पानी नहीं दिया जा सका। जिस वजह से उनको गेहूं में नुकसान हुआ है। अब खेतों की सिंचाई नहीं हो रही, जिस वजह से नरमा व चारे की फसल की बिजाई भी समय पर नहीं हो पाएगी।

हनुमान जयंती पर पैतृक गांव बनियानी पहुंचे मनोहर लाल

- भाजपा प्रदेश कार्यालय में गुलशन भाटिया और कार्यकर्ताओं से मिले राजनीतिक चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय शहरी एवं विकास और बिजली मंत्री मनोहर लाल शनिवार को अपने पैतक गांव बनियानी पहुंचे और परिवारजनों से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री के गांव पहुंचने पर ग्रामवासियों ने भव्य स्वागत किया। ग्रामवासियों से भेंट करने के बाद मनोहर लाल ने डोभ गांव स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में पवन पुत्र हनुमान के दर्शन किए और देश व प्रदेशवासियों को हनुमान जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं दी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने भगवान हनुमान से देश प्रदेश के परिवार जनों के लिए सुख समृद्धि की कामना भी की। इसके बाद केंद्रीय मंत्री रोहतक पहुंचे और हुडा काम्लेक्स स्थित ओल्ड भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश कार्यालय सचिव गुलशन भाटिया व कार्यकर्ताओं से मिले और चर्चा की। हरियाणा के पूर्व सीएम एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के हनुमान जयंती के मौके पर अपने पैतृक गांव बनियानी पहुंचने पर ग्रामवासियों ने जोरदार स्वागत किया। मनोहर लाल ने परिवारजनों और ग्रामवासियों से संवाद किया और उनका हाल चाल जाना। ग्रामवासियों से मिले प्यार और स्नेह से अभिभूत मंत्री ने कहा कि परिवारजनों के आत्मीय स्नेह और सत्कार ने मन को भाव विभोर कर दिया। डोभ गांव में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में पराक्रम, भक्ति और समर्पण की प्रतिमूर्ति हनुमान के दर्शन किए।

हनुमान की कृपा सभी पर बनी रहे

हनुमान की कृपा सभी पर बनी रहे, हर घर-आंगन में सुख-शांति और समृद्धि का वास हो, सबका मंगल व कल्याण हो हनुमान जी से प्रार्थना की। हरियाणा दौरे पर मनोहर लाल रोहतक हुडा कॉम्लेक्स स्थित ओल्ड प्रदेश बीजेपी कार्यालय पहुंचे। यहां पर मेयर रामअवतार वाल्मीकि और भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंत्री का स्वागत किया। किया। इस मौके पर पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर, प्रदेश कार्यालय सचिव गुलशन भाटिया, मेयर रामअवतार वाल्मीकि, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर सिंह खरक, ओमप्रकाश बागड़ी मौजूद रहे।

मदवि के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा

पारंपरिक ज्ञान के साथ ही तकनीकी शिक्षा बहुत जरूरी

- हलवासिया विद्या विहार भिवानी में शिक्षकों को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शिक्षा के माध्यम से ही विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए बेहतरीन ढंग से तैयार कर सकते हैं। पारंपरिक ज्ञान के साथ-साथ आज के समय में तकनीकी शिक्षा बहुत जरूरी है। आज जरूरत है कि शिक्षक डिजिटलाइजेशन के जरिए ही विद्यार्थियों को तकनीकी कौशल में पारंगत करें। ये कहा है महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने। वे शनिवार को हलवासिया विद्या विहार भिवानी में शिक्षकों को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में संबोधन दे रहे थे। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने पारंपरिक दीप प्रज्ज्वल के साथ इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षक यदि छात्रों के साथ मिलकर पारंपरिक ज्ञान एवं आधुनिक शिक्षा प्रणाली को साथ लेकर आगे बढ़ते हैं तो निःसंदेह आने वाली सशक्त पीढ़ियां भारत को शिक्षा के क्षेत्र में विश्व गुरु बना देंगी। डिजिटल सामग्री के माध्यम से भारत वैश्विक शिक्षा का नेतृत्व करने में पूर्णरूपेण सक्षम हो सकता है, ऐसा उनका कहना था।

कुलपति ने कहा कि डिजिटल तकनीक ने शिक्षण को नई दिशा देने का कार्य किया है।

छात्र बिना झिझक अपनी बात रखें

वीसी प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि शिक्षक की भूमिका अब केवल जानकारी देने वाले की नहीं, बल्कि बच्चों को सही दिशा दिखाने, उनको डिजिटल प्लेटफार्म से जोड़कर सीखने के अवसर प्रदान करने, खुद से सीखने तथा समाधान करने के लिए प्रेरित करने वाले की हो गई है। अब शिक्षकों को छात्रों के साथ एक ऐसा माहौल बनाना होगा जिसमें छात्र बिना झिझक के अपनी बात कह सके, अपने विचारों को सांझा कर सके और अपनी गलतियों से सीख सकें।

खबर संक्षेप

द आर्यन ग्लोबल स्कूल में मनाई बैसाखी

रोहतक। द आर्यन ग्लोबल विद्यालय में शनिवार को वैसाखी का पर्व बड़े धूमधाम और सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से द्वितीय तक के छात्रों ने पारंपरिक नगर कीर्तन का आयोजन किया। जिसमें बच्चों ने गुरबाणी के मधुर स्वर में संगत करते हुए विद्यालय परिसर में वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कक्षा प्रथम के छात्रों द्वारा रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं। जिसमें विशेष रूप से प्रथम कक्षा के बालकों ने उत्साहपूर्वक भांगड़ा प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

पुराना बस स्टैंड से शांतमई चौक तक की सफाई

रोहतक। नगर निगम ने पुराना बस स्टैंड से शांतमई चौक तक विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें वार्ड 6 से पार्षद नीरा भटनागर व नोरातामल भटनागर द्वारा भाग लिया गया। सफाई के दौरान मुख्य मार्ग सहित अन्य जगहों से 40 रेहड़ी कूड़ा उठवाया गया।नगर निगम आयुक्त धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष में सभी वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा।

डा. अंबेडकर के विचारों से अवगत कराया

महम। राजकीय महाविद्यालय महम में भारत के संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर की 134 वीं जयंती के उपलक्ष्य में कई गतिविधियां आयोजित की गई। इन गतिविधियों का शुभारंभ प्राचार्य रोहित कुमार ने किया। राजनैतिक विज्ञान के प्राध्यापक सुखबीर ने संविधान के प्रति शपथ ग्रहण करवाई। संविधान को मजबूत करने का संकल्प दिलाया।

मांगों को लेकर मिड डे मील वर्कर्स ने किया प्रदर्शन, डीडीपीओ को सौंपा ज्ञापन

- कहा, सरकार कर रही मांगों की अनदेखी

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

रोहतक। अपनी मांगों के लिए डीडीपीओ राजपाल चहल को ज्ञापन सौंपाते मिड डे मील वर्कर्स यूनियन हरियाणा (सीटू) के पदाधिकारी।

मिड डे मील वर्करों ने बकाया मानदेय के भुगतान एवं अन्य लंबित मांगों को लेकर मिड डे मील वर्कर्स यूनियन हरियाणा (सीटू) की अगुवाई में प्रदर्शन किया और वर्करों मांग पत्र डीडीपीओ राजपाल चहल को सौंपा।। इससे पहले सभी ने मानसरोवर पार्क में जनसभा की। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान बबीता ने और संचालन जिला सहसचिव कांता ने किया। मिड डे मील वर्कर्स यूनियन के प्रदेश सचिव प्रकाशचंद्र और जिला सचिव रीना ने कहा कि सरकार मांगों की अनदेखी कर रही है। पानीपत, सोनीपत व करनाल की मिड डे मील वर्कर्स शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के आवास पानीपत में प्रदर्शन कर रही हैं, अगर शिक्षा मंत्री ने भी मिड डे मिल वर्कर्स की मांगो का समाधान नहीं किया तो 20 मई को हरियाणा की मिड डे मिल वर्कर्स हड़ताल करके अपने जिले में डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन करेंगी।

मांगों को लेकर गंभीर नहीं

उन्होंने कहा कि मिड डे मील वर्कर्स लंबे समय से अपनी मांगों व समस्याओं को लेकर आंदोलनरत हैं, लेकिन प्रदेश सरकार उनकी मांगों को लेकर गंभीर नहीं है, जिससे उनमें रोष है। यूनियन द्वारा मांग की गई कि वर्कर्स का बकाया व कटा हुआ मानदेय तुरंत जारी किया जाए, बच्चे कम होने या स्कूल बंद, मर्ज होने पर वर्कर्स को न हटाया जाए व हटाई गई वर्करों को दोबारा काम पर लिया जाए, बच्चे कम होने पर वर्कर को अन्य सरकारी स्कूल में समायोजित किया जाए, वर्कर्स का न्यूनतम वेतन 26000 रुपए किया जाए और पूरे 12 महीने का वेतन दिया जाए। वर्कर्स का मानदेय उसके खाते में 7 तारीख तक डाला जाए, इसके अलावा वर्कर्स को रिटायरमेंट पर 2 लाख रुपए व दुर्घटना में घायल या मृत्यु होने पर मुआवजा दिया जाए। स्कूलों में स्वयं सहायता समूह बंद करने, महीने में दो अवकाश देने, मेडिकल निशुल्क करने, 12वीं तक बच्चों को मिड डे मील योजना में लाने पर, वर्कर्स को पक्का करने आदि की मांग उठाई गई। इस मौके पर राजबाला, सुनीता, सरला, शीला, फूलपति, भारती, मंजू, बिमला, कुंती, कृष्णा आदि मौजूद रहे।

ग्रामीण इलाकों में चार दिन छोड़कर ही पानी की सप्लाई दी जा रही

शहर में अब एक समय ही मिलेगी पानी की सप्लाई, नहर में पानी आने तक रहेगी समस्या

रामगोपाल कॉलोनी की गली नंबर-9 व 10 में पूरा पानी नहीं मिल रहा, जो मिल रहा है, वो भी दूषित है।

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

जवाहर लाल नेहरू नहर में पानी रूका हुआ है। आगे से अभी पानी आ नहीं पा रहा है। हालांकि, जब से नहर में आपूर्ति बंद हुई है, इसके चलते शहर के कुछ इलाकों में अब एक समय ही पानी की सप्लाई दी जाएगी। कुछ जगहों पर शुरू में दूषित पानी आता है, उसके कुछ देर बाद साफ पानी सप्लाई में आता है। ग्रामीण इलाकों में चार दिन छोड़कर ही पानी की सप्लाई दी जा रही है। ऐसे में आमजन को बाहर से ही पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है।

रामगोपाल कॉलोनी की गली नंबर-9 व 10 में पूरा पानी नहीं मिल रहा, जो मिल रहा है, वो भी दूषित है। दोनों ही जगहों के लोगों का कहना है कि कोई सुनने वाला नहीं। इसी तरह सेक्टर-1 हाउसिंग बोर्ड में भी दो दिनों से बदबूदार पानी आ रहा है। सप्लाई का पानी नहाने के लायक भी नहीं है। इस पानी में नहाने से चरम रोग हो सकते हैं। गुरुचरणपुरा निवासियों का कहना है कि करीब चार माह हो गए हैं, सप्लाई में पहले दूषित पानी तो बाद में साफ पानी आता है। इसी तरह पाड़ा मोहल्ला, सलारा मोहल्ला व बाबरा मोहल्ले में भी इसी तरह की समस्या बनी हुई है। शिकायत पर भी समाधान नहीं किया जा रहा है।

इन इलाकों में एक समय भी नहीं मिल रहा पानी

पुराना शहर, देव कॉलोनी, विशाल नगर, जनता कॉलोनी और सुनारिया चौक क्षेत्र में भी पेयजल की किल्लत की वजह बनी हुई है। यहां लगने वाले बिजली कट के कारण एक समय भी पानी सप्लाई नहीं हो रहा है। इससे लोगों को पानी खरीदना पड़ रहा है। लाइट न होने के कारण मोटर नहीं चल पाती है। ऐसे में समस्या और अधिक बढ़ जाती है। इसके चलते ग्रामीण एरिया गढ़ी बोहर, माजरा, खेड़ी साध, बोहर व बलियाना और शहर की कबीर कॉलोनी, प्रेम नगर, विकास नगर, आजाद नगर, लक्ष्मी नगर, आजादगढ़, सूर्या कॉलोनी, टीबी अस्पताल के सामने वाली गली में यह समस्या बनी हुई है।

आउटर एरिया में भी समय पर नहीं जा रहे पानी के टैंकर

शहर के आउटर व टेल एंड तक पानी की सप्लाई नहीं जा पा रही है। ऐसे में विभाग द्वारा रोजाना की तरह पानी के टैंकर भिजवाए जाते हैं, लेकिन आउटर एरिया में भी विभाग समय पर सप्लाई नहीं दे रहा है। लोगों को मजबूरी में पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है या दूर दराज लगे नलकूपों से ही लाना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा समस्या बुजुर्ग महिलाओं के लिए बनी हुई है। उन्हें दूर दराज से भरकर लाने में काफी मशक्कत करनी पड़ती है।

महम। शीतला पब्लिक स्कूल में लगाए गए सीबीएसई स्कूलों के ट्रेनिंग कैंप में भाग लेते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

शीतला पब्लिक स्कूल में सीबीएसई स्कूलों के शिक्षकों की हुई ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭महम

लाखन माजरा के शीतला पब्लिक स्कूल में शनिवार 12 अप्रैल को सीबीएसई स्कूलों के शिक्षकों की ट्रेनिंग आयोजित की गई। यह ट्रेनिंग क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत करवाई गई। इस ट्रेनिंग कैंप में 60 शिक्षकों ने भाग लिया। इस ट्रेनिंग की शुरुआत विद्या की देवी माँ सरस्वती के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित करके की गई। ट्रेनिंग कैंप में सीबीएसई की तरफ़ से शिक्षा भारती विद्यालय रोहतक से भौतिक विज्ञान की अध्यापिका नीलम और पीआईटी स्कूल पानीपत से अर्थशास्त्र विभाग प्रमुख रजनी मुख्य प्रवक्ता रही। अध्यापिका नीलम ने स्वयं जागरूकता तथा खुशहाल कक्षा कक्ष के विभिन्न स्तरों की जानकारी दी। जिसमें शिक्षकों को एक सहायक और पोषक कक्षा वातावरण बनाने के तरीके बताए। प्रशिक्षण में स्वयं जागरूकता और कक्षा कक्ष को खुशहाल बनाने की गतिविधियां सांझा की गई। शिक्षकों के लिए गतिविधियों के माध्यम से समाधान सुझाए गए।

शीतला पब्लिक स्कूल की प्राचार्या कविता रानी ने शिक्षकों को शिक्षण प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों व उनसे निपटने के तरीकों और खुशहाल कक्षा प्रबंधन कौशल पर प्रकाश डाला।

न्याय के मूलभूत सिद्धांतों को जीवन में उतारना आवश्यकः प्रो. प्रदीप

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

मूट कोर्ट प्रतियोगिता विधि छात्रों को नुसंधान, तर्क-वितर्क, प्रस्तुतिकरण और नैतिक मूल्यों को व्यवहार में लाने का सशक्त अवसर प्रदान करती है। यह कहा है एमडीयू-सीपीएएस निदेशक प्रो. प्रदीप के. अहलावत ने। वे शनिवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के सीपीएएस गुरुग्राम में आयोजित तीसरी राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विधिक शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसे सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए न्याय के मूलभूत सिद्धांतों को जीवन में उतारना आवश्यक है।

डॉ. ओमप्रभा, संयोजक मूट कोर्ट समिति ने बताया कि यह दो दिवसीय प्रतियोगिता मूट कोर्ट सोसाइटी, एमडीयू-सीपास के तत्वावधान में आयोजित की जा रही है, जिसमें देश के विभिन्न प्रतिष्ठित विधि विश्वविद्यालयों और संस्थानों से कुल 22 टीमों ने भाग लिया है। इस प्रतियोगिता में सुप्रीम कोर्ट, उच्च न्यायालयों, जिला न्यायालयों तथा प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के 36 से अधिक वरिष्ठ अधिवक्ताओं, न्यायालयीन अधिकारियों एवं विधि विशेषज्ञों ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल हुड्डा ने भी विधि छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विधिक पेशे में ज्ञान के साथ-साथ नैतिकता, सहानुभूति और समाज के प्रति प्रतिबद्धता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे कानून के ज्ञाता होने के साथ-साथ न्याय के संरक्षक भी बनें। हुड्डा ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए इसे विधिक शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणास्पद प्रयास बताया। इस समारोह में अधिवक्ता युधवीर चौहान (दिल्ली हाई कोर्ट), प्रो. महावीर और प्रो. अश्वनी (दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ. प्रदीप कुमार (केंद्रीय विश्वविद्यालय), डॉ. आजाद आदि मौजूद थे।

डॉ. अंबेडकर के दूरदर्शी योगदान पर प्रकाश डाला

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में शनिवार को डॉ. बीआर अंबेडकर के आर्थिक विचार विषय पर एक विस्तार वार्ता का आयोजन किया। विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश ने कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण देते हुए आर्थिक विचार और योजना में डॉ. अंबेडकर के दूरदर्शी योगदान के महत्व पर प्रकाश डाला। अर्थशास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. जगदीप ने बतौर मुख्य वक्ता इस कार्यक्रम में डॉ. बीआर अंबेडकर के अर्थशास्त्र में योगदान विषय पर एक व्यावहारिक व्याख्यान दिया। डॉ. जगदीप ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत स्थापित वित्त आयोग के गठन में डॉ. अंबेडकर की अग्रणी भूमिका पर जोर दिया।

डॉ. जगदीप ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गठन में बहुत योगदान दिया।

पानी के टैंक में डूबने से हुई थी बच्चे की मौत, जांच के लिए भटक रहे परिजन

हरिभूमि न्यूज ⏭महम

महम। दिव्यांश, मृतक। फाइल फोटो।

आठ महीने पहले कस्बा महम के वार्ड 3 में फरमाणा रोड के पास एक बच्चे की पानी के टैंक में डूबने से मौत हो गई थी। मौत की इस घटना की जांच के लिए परिजन पुलिस अधिकारियों के पास चक्कर काट रहे हैं, लेकिन पुलिस द्वारा निष्पक्ष जांच नहीं की जा रही। बच्चे के परिजन परेशान हैं। मृतक बच्चे परिजनों ने एसपी रोहतक से मामले की सही जांच करवाने की मांग की है। परिजनों ने इस मामले में जांच अधिकारी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। वार्ड तीन निवासी गीता देवी ने बताया कि उसकी बेटी मोनिका पुत्री ओम सिंह उसके पास आई हुई थी। 15 अगस्त 2024 को उसकी बेटी मोनिका का एक साल साढ़े 10 महीने का बच्चा दिव्यांश घर के बाहर खेल रहा था। अचानक दिव्यांश गायब हो गया। जब दिखाई नहीं दिया तो, उन्होंने उसकी तलाश शुरू कर दी।

पड़ोस में किराए पर रहने वाले पुट्ठी गांव निवासी बिजेंद्र व जोगिंद्र से भी इस बारे में पूछताछ की। लेकिन उन्होंने बताया कि उनको इस बारे में जानकारी नहीं है। बाद में जोगिंद्र के बच्चों ने कहा कि दीव्यांश तो पानी के होद में पड़ा हुआ है। दिव्यांश को पानी में से निकालकर सिविल अस्पताल महम में ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। गीता का आरोप है कि उसके दोहते को बिजेंद्र, जोगिंद्र और उसके परिवार वालों ने मारा है। इस संबंध में बच्चे की मां मोनिका ने महम थाने में शिकायत दी थी। लेकिन बच्चे परिजन पुलिस जांच के से संतुष्ट नहीं हैं। गीता ने कहा है कि वह और उसका परिवार निष्पक्ष जांच के लिए पुलिस अधिकारियों के पास चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिल रहा। आरोपित खुले घूम रहे हैं, पुलिस ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

दोनों पक्षों को आमने सामने किया जा चुका है: एसएचओ

महम थाना प्रभारी सत्यपाल सिंह ने बताया कि इस मामले में दोनों पक्षों को थाने में बुलाया था। बताया था कि दोनों पक्ष आपस में तसल्ली कर लें। जांच अधिकारी को फिर से मामले की जांच के लिए कहा गया है। यदि इस मामले में कोई दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ जरूर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महम। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के जीवन के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए मोखरा गवर्नमैंट कॉलेज की प्रिंसिपल। फोटो : हरिभूमि

मोखरा के राजकीय कॉलेज में मनाई अंबेडकर जयंती

महम। राजकीय महाविद्यालय मोखरा में हनुमान जयंती और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान विद्यार्थियों को डॉक्यूमेंट्री फिल्म मैं हूं कलाम दिखाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्या डॉ सीमा जैन ने विद्यार्थियों तथा स्टाफ को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं दी और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन के बारे में बताया।

आकाशदीप दुहन साईस इंस्टीट्यूट ने ओलंपियाड में स्वर्ण पदक लेकर लहराया परचम

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

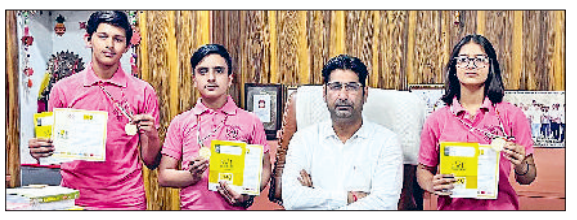

इंटरनेशनल गणित ओलंपियाड में दुहन साइंस इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों ने स्वर्ण पदक हासिल कर अपना जलवा बरकरार रखा है। वसंत विहार में स्थित आकाशदीप दुहन साइंस इंस्टीट्यूट के होनहार छात्रों प्रिंस दुहन कक्षा 8वीं, दीपिका 8वीं और अक्षत कक्षा नौंवी के होनहार छात्रों ने गोल्ड मेडल जीतकर अपने इंस्टीट्यूट और माता- पिता का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर विजेता बच्चों को ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र व मैडल देकर इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर डॉ. अशोक दुहन ने छात्रों को सम्मानित किया। उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन छात्रों को आगामी अवसर के लिए आशीर्वाद दिया।

बाहुबल, विवेक और बुद्धि प्रयोग राम काज में होता है सफल

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

रोहतक। कार्यक्रम को सम्बोधित करते सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

सहकारिता, कारागार, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि धर्म प्रवाह में भगवान हनुमान का विशेष स्थान है। उनके बाहुबल, विवेक और बुद्धि बल का यदि राम काज में इस्तेमाल होता है तो वो धर्म है, अन्यथा यह ऊर्जा व्यर्थ हो जाती है। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में अभिभावकों को जिम्मेदारी लेते हुए युवा पीढ़ी की धर्म सशक्तिकरण में भागीदारी बढ़ानी चाहिए। शनिवार को विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में गांव भैंसरू कलां स्थित सिद्ध शक्तिपीठ बालाजी धाम पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा का ग्रामीणों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। उन्होंने महामंडलेश्वर विद्या स्वरूप महाराज व महामंडलेश्वर राघवेन्द्र भारती को माल्यार्पण भी किया। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भगवान हनुमान हमारे जीवन में संकटमोचक की भूमिका में हैं। उनकी कृपा की बदौलत हमारे जीवन व आचरण में बदलाव आता है। उन्होंने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी राम राज्य की भांति जनहित में निरन्तर कल्याणकारी योजनाओं को विस्तार दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प की बदौलत न केवल भगवान श्री राम का अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण सुनिश्चित हुआ, अपितु तीन तलाक कानून खत्म करके मुस्लिम बहनों को सम्मान, धारा 370 को खत्म कर राष्ट्रीय एकजुटता को मजबूत करने के काम हुए हैं।

ये रहे मौजूद

मौके पर महामंडलेश्वर विद्या स्वरूप महाराज, महामंडलेश्वर राघवेंद्र भारती, स्वामी करतार गोविंद, स्वामी शंकरानंद, सूर्यनाथ महाराज सोहंटी धाम, जयस्वरूप महाराज, सरपंच सुनीता व ऋषिकाश, पूर्व सरपंच सुशील कुमार, भाजपा मंडल अध्यक्ष कविता शर्मा, वेदराम, बालकिशन, अशोक, मास्टर महेश, राज सिंह, हेमंत भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
PRO 5
NURSING STAFF 4
MAID 2
HOUSE KEEPING 2
CLEANERS 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

PRIME SCHOOL UNIFORMS
Mfrs & Traders: All Types of School Uniforms, T-Shirts, Lower & Track Suits etc.
Deals in All Kind of School Bag, School Shoes & Stationary Items
Shoes 20% off
VIPIN KUMAR M. 9812587499
All School Dress also available
All Vaish School ▸Vedanta School ▸Shiksha Bharti ▸Scholar Rosary ▸St. Pall School ▸ZAD Global School ▸Model School ▸Shivalik School ▸DAV School ▸MRGS School ▸Baba Mast Nath School ▸ GD Royal School
802/12, Arya Nagar, Opp. Vedic Ashram, Near HUDA Complex, Rohtak-124001 (Haryana) Ph.: 01262-258299,

शिव देव सर्विसेज
आवश्यकता है
मैन पावर कंपनी में
एचआर हेड (महिला)
फील्ड ऑफिसर
टेलीकॉलर (महिला)
सिक्योरिटी गार्ड और हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए सम्पर्क करें।
202, टाउन सेंटर मॉल, डी-पार्क, रोहतक
अपना रिज्यूम व्हाट्सएप्प करें M. 9991789000

सैक्स समस्याएं
MOST TRUSTED SEXOLOGIST AWARDEE
Dr. Kawatra Rohtak.com
WE... THE BEST CREATION OF ALMIGHTY CREATOR SERVING HUMANITY FOR THEIR WELL BEING
RELATIONSHIP MANAGEMENT
Wish you speedy Recovery
पुल पार, हिसार रोड, रोहतक 9215161430

रोहतक। गौकर्ण तीर्थ स्थित श्री प्राचीन शनि मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव पर ध्वजारोहण करते महामंडलेश्वर स्वामी कपिलपुरी महाराज व पूर्व मेयर मनमोहन गोयल व अन्य भक्तजन, पद यात्रा निकालते भक्तजन, हनुमान मंदिर खरावड़ में लगी लाइन तथा हनुमान मंदिर खरावड़ में हनुमान की प्रतिमा लेकर आए भक्तजन। फोटो : हरिभूमि

श्रद्धा से मनाया हनुमान जन्मोत्सव, जय श्री राम और जय बजरंग बली के जयकारों से भक्तिमय हुआ वातावरण

- संकट मोचन मंदिर में मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव, मेयर ने किया भक्तिभाव से ध्वजारोहण और पूजा-अर्चना
- पवनपुत्र हनुमान को 31 किलो का लड्डू और 56 प्रकार के आहार का लगाया भोग, भक्तों ने लगाए जय श्री राम के जयकारे

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

जिले में हनुमान जन्मोत्सव पर्व श्रद्धा के साथ मनाया गया। भक्तों ने हनुमान मंदिर खरावड़ तक पद यात्रा निकाली और भगवान हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त किया। जगह जगह प्रसाद भी वितरित किया गया। जय श्री राम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। वहीं माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में शनिवार को चैत्र माह की पूर्णिमा को हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया गया। पवन पुत्र हनुमान को आकर्षित लाइट व फूलों से सजाया गया। सुबह 8 बजे मुख्य अतिथि मेयर राम अवतार वाल्मीकि द्वारा भक्तिभाव और श्रद्धापूर्वक ध्वजारोहण किया गया और भगवान हनुमान की महिमा का गुणगान करते हुए झंडे को सलामी दी। भक्तों ने जय श्री राम जय के जयकारे लगाए। वार्ड 4 से भाजपा पार्षद रिंकू नागर ने भी पूजा अर्चना की। पंडित अशोक शर्मा द्वारा प्रसाद वितरित किया गया। यह जानकारी सचिव गुलशन भाटिया ने दी। भगवान हनुमान को 31 किलो का लड्डू और 56 प्रकार के लाल मिष्ठान आहार का भोग लगाया गया, जिसमें इमरती, चूरमा, गाजर का हलवा, मोतीचूर व गुड़ के लड्डू, आनार, पेठा आदि शामिल रहे। मेयर राम अवतार वाल्मीकि ने बताया कि भगवान हनुमान को प्रसन्न करने के लिए कई मंत्र, स्त्रोत, चालीसा और हवन- अनुष्ठान आदि हैं लेकिन भगवान राम का सिर्फ एक मंत्र ही काफी है जिससे हनुमान शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। यह मंत्र है राम नाम का जाप। भगवान श्रीराम हनुमान के आराध्य हैं। राम के अनन्य भक्त हैं। उन्होंने कहा कि अंजनी पुत्र हनुमान भगवान भोलेनाथ के रुद्र अवतार हैं। कलयुग में हनुमान ऐसे देवता हैं जो आज भी जीवित हैं, जो सच्चे मन से इनका सुमिरन करता है ये उसकी सारी चिंताएं हर लेते हैं। इन्हें संकट मोचन भी कहा जाता है।

रोहतक। हनुमान मंदिर खरावड़ में पूजा-अर्चना करते भक्तजन व हनुमान मंदिर खरावड़ में पूजा अर्चना करते आईपीएस अधिकारी आलोक मित्तल। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव पर मुख्य अतिथि मेयर राम अवतार वाल्मीकि ध्वजारोहण करते हुए और साथ है साध्वी मानेश्वरी देवी, पार्षद रिंकू नागर और भक्तजन।

वर्ष में दो बार आता है हनुमान महोत्सव : मानेश्वरी देवी

साध्वी मानेश्वरी देवी ने बताया कि हनुमान महोत्सव वर्ष में दो बार मनाया जाता है, प्रथम हनुमान जन्मोत्सव चैत्र की पूर्णिमा को मनाई जाती है, यह दिन भगवान हनुमान के बोध दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, इसलिए इसे अध्यात्मिक जगत के साथ जोड़ा गया है। वहीं दूसरा दीपावली से पूर्व जिसे कार्तिक चौदस का नाम देते हैं। इस दिन हनुमान ने पृथ्वी पर मानव रूप धारण किया था। इस रूप में हनुमान ने मानव कल्याणार्थ कार्य किए। उन्होंने धर्म की रक्षा कर मानव मूल्यों को नई दिशा दी थी। इसे विजय अभिनंदन के तौर पर मनाया जाता है क्योंकि भगवान श्रीराम को रावण पर विजय दिलाने में हनुमान की अहम भूमिका थी।

श्री बालाजी धाम डोभ पर श्रद्धा से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

रोहतक। श्री बालाजी धाम डोभ पर हनुमान जन्मोत्सव का पावन पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंच कर किये दर्शन। श्री बालाजी सेवा मंडल एवं श्री बालाजी धाम डोभ के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने बताया कि पद यात्रायें ढोल नगाड़ों, रथों के साथ श्री बालाजी धाम डोभ पहुंची। इस मौके पर जागरण आयोजन किया गया। 108 बार हनुमान चालीसा पाठ किया गया। साथ ही भंडारे का भी आयोजन हुआ। इसके अलावा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर डॉ. परमानन्द महाराज, महामंडलेश्वर बाबा कर्णपुरी महाराज, उप प्रधान सुनील गोयल, संदीप गर्ग, अधिवक्ता रमेश खुराना, रवि नागपाल, ओम प्रकाश सैनी, महावीर बंसल, नीरज गुप्ता, बजरंग गुप्ता, दीपक प्रकाश जैन, राकेश गुप्ता, सतीश अग्रवाल, सुरेश चन्द्र सिंगला, रमेश गुप्ता, मनमोहन, बिल्लू अलहावत, पंडित राधे श्याम, पवन सरीन आदि मौजूद रहे।

वीर हनुमान कृप्या मंडल ने हनुमान जन्मोत्सव व मंडल का 16वां वार्षिकोत्सव मनाया

रोहतक। वीर हनुमान कृप्या मंडल ने शनिवार को मॉडल टाउन स्थित गुफा वाले मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव व मंडल का 16वां वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ रामचरित मानस के पंचम सोपान व सुंदरकांड के पवित्र पाठ से किया गया। जिसमें बढ़-चढ़कर श्रद्धालुओं ने इसमें हिस्सा लिया। मंडल के संरक्षक राजबीर भारद्वाज ने बताया कि पाठ के दौरान सवा मणी का प्रसाद व भंडारे का आयोजन किया गया। वहीं, मंडल द्वारा प्रत्येक शनिवार को भी सुंदरकांड पाठ का आयोजन भी किया जाता है। इस पाठ के जरिए समाज में राम नाम के प्रति आस्था को प्रबल बनाना है। क्योंकि कलयुग में राम नाम ही आधार है। पाठ के दौरान सभी की सुख समृद्धी व शांति की कामना की गई।

विधायक पवन खरखौदा का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के विधि विभाग परिसर में खरखौदा से बीजेपी विधायक पवन खरखौदा का पहुंचने पर अभिनंदन किया गया। विधि विभाग के अध्यक्ष प्रो. जितेन्द्र सिंह ढुल, डा. अंबेडकर चेयर के अध्यक्ष प्रो.गोविंद सिंह तथा इमसॉर निदेशक प्रो. सत्यवान बरोदा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर विधायक पवन खरखौदा का स्वागत किया। विधायक पवन खरखौदा ने इस अवसर पर बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर प्रष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों से डा. अंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेने तथा बेहतर राष्ट्र एवं समाज के निर्माण में अपना योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्राध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

माइक्रोन समूह ने 'परिवर्तन' थीम के साथ मनाया अपना 44वां स्थापना दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

माइक्रोन समूह के मुख्यालय में गर्व, उत्साह और एकता का माहौल था, जब पूरी माइक्रोन उत्साह परिवार ने मिलकर कंपनी का 44वां स्थापना दिवस बेहद हर्षोल्लास और जोश के साथ मनाया। यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं था, बल्कि यह परिवर्तन, विकास और भविष्य के लिए प्रेरणादायक दृष्टिकोण का प्रतीक बना।

इस वर्ष के समारोह की थीम थी परिवर्तन, जो संगठनात्मक विकास के साथ-साथ व्यक्तिगत और सामूहिक बदलाव को भी दर्शाता है। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से लेकर प्रेरक भाषणों तक, हर पल ने बदलाव, एकता और प्रगति की भावना को जीवंत किया। समारोह की शुरुआत सभी कर्मचारियों, उनके परिवारों, पूर्व कर्मचारियों और विशिष्ट अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए हुई जो वास्तव में माइक्रोन परिवार की ताकत को दर्शाता है।

प्रबंध निदेशक करन विग के जोशीले भाषण के साथ कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई। उन्होंने मिशन परिवर्तन का विजन प्रस्तुत करते हुए भविष्य की स्पष्ट दिशा दिखाई। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि माइक्रोन का लक्ष्य विश्वस्तरीय फास्टनर उद्योग में नंबर। बनना है। उनका जोश और आत्मविश्वास सभी में नई ऊर्जा भर गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मंच जगमगा उठा: ऊर्जावान नृत्य, बीट बॉक्सिंग और एक रंगारंग पुरस्कार समारोह ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। एक भावुक पल तब आया, जब पूर्व कर्मचारियों को मंच पर सम्मानित किया गया यह जताने के लिए कि जो कभी माइक्रोन का हिस्सा रहा, वह हमेशा परिवार का हिस्सा रहेगा।

कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में से एक था तीन नई कर्मचारी कल्याण योजनाओं की घोषणा, जो यह दिखाती हैं कि माइक्रोन अपने कर्मचारियों के हितों को सर्वोपरि मानता है, लाला सीताराम विग योजना बेटियों की शादी के लिए वित्तीय सहायता, ज्ञान दीप योजना कर्मचारियों के बच्चों के लिए शिक्षा सहायता, कर्मचारी मृत्यु सहायता योजना किसी कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु की स्थिति में उसके परिवार को वित्तीय सहयोग ये योजनाएं माइक्रोन की पारिवारिक सोच को उजागर करती हैं। अध्यक्ष रमेश विग ने कहा कि जिन्हें स्नेहपूर्वक फास्टनर मैन ऑफ इंडिया कहा जाता है, समापन भाषण में कंपनी की यात्रा को गर्व से याद किया। उन्होंने माइक्रोन परिवार के समर्पण की सराहना की और सभी को प्रेरित किया कि वे भविष्य में भी एकजुट होकर उत्कृष्टता की ओर बढ़ते रहें।

धावक दहिया ने दो कांस्य पदक जीते

रोहतक। दिल्ली में 13 अप्रैल तक आयोजित की जा रही चौथी मास्टर्स राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रोहतक के अरविंद पाल दहिया ने दो कांस्य पदक जीते हैं। ये उपलब्धि उन्होंने 5000 और 1500 मीटर दौड़ में हासिल की है। दहिया बीएसएनएल मुख्यालय नई दिल्ली में सहायक महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। ये रोहतक रनर्स ग्रुप के धावक हैं। इससे पहले भी इन्होंने कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बीएसएनएल व रोहतक का नाम रोशन किया है।

इंडस जूनियर विंग में बैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया गया

रोहतक। इंडस जूनियर विंग में बैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया गया। पंजाबी एवं हरियाणवी परिधानों में सजे बच्चों ने नाच गाकर खूब मस्ती की। छात्रों ने त्योहार के विषय में अपने विचार प्रस्तुत किए। इंडस ग्रुप के अकादमिक निदेशक प्रवीण परुथी ने बच्चों को वैसाखी का महत्व बताया एवं पर्व की शुभकामनाएं दी।

मुख स्वस्थ न होने पर घेर लेगी अन्य बीमारियां:डॉ. पूर्णिमा अरोड़ा

रोहतक। स्वास्थ्य विभाग हरियाणा द्वारा चलाए जा रहे दंत स्वास्थ्य जागरुकता अभियान के उपलक्ष्य में पॉलीक्लीनिक सेक्टर-3, की दंत चिकित्सक डॉ. पूर्णिमा अरोड़ा ने सेक्टर-3 स्थित निजी स्कूल में दंत स्वास्थ्य कैंप का आयोजन कर बच्चों तथा स्कूल स्टाफ को मुख स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किया। इसमें डॉ. पूर्णिमा अरोड़ा तथा डॉ. विश्व दीपक, दंत चिकित्सकों ने बच्चों व स्टाफ के दांतों की स्क्रीनिंग की तथा उपचार के लिए पोलीक्लीनिक रेफर किया। उन्होंने दंत स्वास्थ्य बारे जानकारी देते हुए बताया कि मुख स्वस्थ नहीं होगा तो विभिन्न बीमारियों घेर लेती हैं। इसलिए प्रतिदिन दिन में दो बार, सुबह व शाम को टूथब्रश करना चाहिए। डॉ. पूर्णिमा ने तंबाकू तथा धूम्रपान से होने वाले मुख कैंसर के बारे में भी बताया।

खबर संक्षेप

हनुमान जन्मोत्सव पर भंडारे का आयोजन

रोहतक। हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर भक्तों ने खरावड़ हनुमान मंदिर पर भंडारे का आयोजन किया। आलू, पूरी, कढ़ी, चावल, लस्सी, सवामनी, जलजीरा, आइसक्रीम आदि का प्रसाद भक्तों को वितरित किया गया। इस मौके पर सुरेंद्र जैन, सुरेश तायल, दलीप बंसल, शिव तायल, पुनीत जैन, विकास जैन, हर्षित बंसल, हर्ष, यश तायल, अनिल, ओमप्रकाश, कृष, दिव्या आदि मौजूद रहे।

अभिभावक-प्राध्यापक मीट का आयोजन

रोहतक। सत जीन्दा कल्याणा महाविद्यालय कलानौर में अभिभावक-प्राध्यापक मीटिंग का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों के अभिभावक प्राध्यापकों से मिले और अपने बच्चों की उपस्थिति एवं परीक्षा परिणाम व अन्य जानकारी ली। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार दुआ व डॉ. उमेश कुमार ने अभिभावकों को बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी है।

दूध-घी का हरियाणा, उड़ता पंजाब हो रहया सै गाने के माध्यम से किया जागरूक

गांव मायना और कन्हेली में साइक्लोथॉन का भव्य स्वागत

ग्रामीणों, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली विद्यार्थियों और खिलाड़ियों ने प्रतिभागियों को फूलमालाएं पहनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा नशा मुक्त हरियाणा के उद्देश्य से 5 अप्रैल को हिसार से रवाना की गई साइक्लोथॉन 2.0 का रोहतक की सीमा में करौंथा गांव पहुंचने पर गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया गया। जिला प्रशासन, ग्राम पंचायत व ग्रामीणों, सैकड़ों एनसीसी कैडेट्स, स्कूली विद्यार्थियों व खिलाडिय़ों ने साइक्लोथॉन के प्रतिभागियों का फूलमालाओं से स्वागत किया। खिलाडिय़ों ने इन प्रतिभागियों पर फूलों की वर्षा भी की। स्वागत समारोह की मुख्यातिथि व जिला परिषद की चेयरपर्सन मंजू हुड्डा, अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कौशिक, पुलिस उपाधीक्षक रवि खुंडिया, भाजपा के जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका, प्रदेश सचिव रेणु डाबला इत्यादि ने साइक्लोथॉन के प्रतिभागियों का स्वागत द्वार पर भव्य स्वागत किया।

चेयरपर्सन मंजू हुड्डा ने कहा कि साइक्लोथॉन के माध्यम से नशा मुक्त हरियाणा का बखूबी संदेश दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए वचनबद्ध है। ताकि युवाओं के भविष्य को उज्जवल बनाया जा सके। युवा हर प्रकार के नशे से दूर रहकर देश व प्रदेश के विकास में अपना योगदान दें। माता-पिता अपने बच्चों पर नजर रखें तथा उन्हें नशे के दुष्प्रभाव बारे जागरूक करें। आज नशा युवाओं को अपने जाल में जकड़ रहा है जिससे समाज खोखला हो रहा है।

नशे से दूर रहने का संकल्प ले : एडीसी

अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने साइक्लोथॉन के प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा नशा मुक्त हरियाणा के उद्देश्य से शुरू की गई यात्रा में जिलावासी बढ़चढ़कर भाग लें। आज हर जिलावासी हर प्रकार के नशे को जीवन से दूर करने का प्रण लें।

नशा बेचने वालों की दें सूचना : अशोक कुमार

साइक्लोथॉन के इंचार्ज डॉ. अशोक कुमार ने नशे के खिलाफ स्वयं नशा न करने तथा दूसरों को नशा न करने देने का संकल्प दिलवाते हुए कहा कि नशीले पदार्थों की बिक्री में संलिप्त व्यक्तियों की सूचना नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड हेल्पलाइन व एनसीबी पोर्टल पर सूचना देने को कहा। ट्रैफिक एसएचओ अमर सिंह कटारिया ने गीत के माध्यम से नशा मुक्ति की भावुक अपील की। उन्होंने क्यूं दूध घी का हरियाणा, उड़ता पंजाब हो रहया सै गाने के माध्यम से प्रदेश में फैलते नशे के जाल के बारे में जागरूक किया तथा उपस्थितगण को सतर्क रहने का संदेश दिया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर साइक्लोथॉन यात्रा के स्वागत समारोह में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कौशिक, पुलिस उपाधीक्षक रवि खुंडिया, साइक्लोथॉन के प्रदेश संयोजक राजकुमार कटारिया, जिला शिक्षा अधिकारी मंजित मलिक, खंड शिक्षा अधिकारी राजबाला मलिक, प्राचार्य अनिल दहिया, राकेश दलाल, सरपंच अरविंद धनखड़, मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा, मंडलाध्यक्ष दिनेश धनखड़, संदीप बधवार, हरिओम भाली, विजेता शर्मा, पद्म सिंह ढुल, नरेश अहलावत आदि मौजूद रहे।

युवा को नशे से बचाना जिम्मेदारी : ढाका

भाजपा के जिलाध्यक्ष रणबीर ढाका ने कहा कि नशा मुक्त हरियाणा के उद्देश्य से निकाली जा रही साइक्लोथॉन यात्रा से हर नागरिक जागरूक हो तथा नशा न करने का प्रण लें। आज समाज के हर व्यक्ति को समाज से हर प्रकार के नशे को दूर करने का संकल्प लेना होगा। युवा पीढ़ी को नशे की बुरी लत से बचाना होगा। प्रदेश सचिव रेणु डाबला ने कहा कि युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए यह जरूरी है कि उन्हें हर प्रकार के नशे से दूर रखा जाए।

इंडस पब्लिक स्कूल में कार्यशाला आयोजित

विद्यार्थियों को उनकी रूचि के अनुसार खेल-खेल में सिखाना चाहिए : सिंधु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल में अध्यापकों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका संचालन जसवंती सिंधु ने किया। कार्यशाला का विषय नई शिक्षा नीति 2020 व सीपीटी के अनुसार पाठ्यक्रम प्रभावी पाठ योजना की रणनीतियां रही। जसवंती सिंधु ने कहा कि केवल पाठ्यक्रम पर ही ध्यान न देकर अनेक रचनात्मक गतिविधियों के द्वारा छात्रों को उनकी रूचि के अनुसार खेल-खेल में सिखाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पाठ-योजना प्रशिक्षक का रोडमैप है कि छात्रों को क्या सीखना है और कक्षा के दौरान इसे प्रभावी ढंग से कैसे किया जाएगा। उन्होंने छात्रों के सीखने के उद्देश्य, सीखने की गतिविधियां और छात्रों की समझ जांचने की रणनीतियां बताई। उन्होंने शिक्षकों को बताया कि प्रत्येक पाठ को रचनात्मक ढंग से कराना चाहिए।

डर की भावना दूर करें

उन्होंने ये भी कहा कि बच्चों के मन में अध्यापकों के प्रति जो डर की भावना है उसे दूर करना चाहिए। बच्चों को मनोरंजक खेलों के द्वारा कक्षा में सिखाने का कार्य करना चाहिए व मातृभाषा में संवाद सिखाना चाहिए। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने कहा कि अध्यापकों के मार्गदर्शन के लिए समय-समय पर नई शिक्षा प्रणाली के द्वारा जो परिवर्तन हुए हैं, उनसे अध्यापकों को अवगत करवाना है। इनका उद्देश्य शिक्षकों को समय-समय पर नया सीखने, सहयोग, समस्या समाधान और नए विचारों के सृजन को प्रोत्साहित करना है। विद्यालय की डायरेक्टर प्रधानाचार्या डॉ. सुषमा झा ने धन्यवाद किया और अध्यापकों को नई शिक्षण विधियों से पढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

रक्तदान, स्वास्थ्य, नेत्र एवं दंत जांच शिविर आयोजित

रोहतक। कन्हैली रोड़ स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर कम्युनिटी सेंटर में एमटीएफसी (मेक द् फ्यूचर ऑफ कंट्री) एजुकेशनल सोसायटी द्वारा वार्षिक उत्सव पर 13 अप्रैल को रक्तदान, स्वास्थ्य, नेत्र एवं दंत जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर मनीषा अग्रवाल, संध्या जैन एवं समृद्धि जैन उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता नरेश जैन द्वारा की जाएगी। संस्था प्रधान नरेश ढल ने बताया कि कार्यक्रम का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा।

धूमधाम से मनाई वैशाखी एवं आंबेडकर जयंती

- पठानिया पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम का किया आयोजन
- दीवी, भूमि और रेयांश की कविताओं ने भाव-विभोर किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पठानिया पब्लिक स्कूल में वैशाखी और अंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई। शिक्षिका सुनीता वर्मा, रीना और कनिका चुघ के दिशा निर्देशन में वरिष्ठ वर्ग से डेलिशा और आरव तथा कनिष्ठ वर्ग से विधि और मानवी ने मंच संचालन का कार्यभार संभाला। कार्यक्रम का आरंभ नविका और पलक के सुविचारों से हुआ। दीवी, भूमि और रेयांश की कविताओं ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। मिष्ठी और कोकिल ने वैशाखी पर्व की महता से सभी को अवगत करवाया। लक्ष्य राणा और आर्यविक ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जीवन संघर्षों से अवगत करवाया। स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर स्कूल को-फाउण्डर वर्षा पठानिया, प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया, उप-प्रधानाचार्या प्रीति ढांडा, सुनीता मोर, हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी, नीतू सेठी, कोमल बुट्टन, आलोक रानी, कनिका मग्गू, प्रभा शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

एचडी स्कूल में हुई अंतर सदन अंग्रेजी भाषण स्पर्धा

रोहतक। एचडी पब्लिक स्कूल बहुअकबरपुर में एक भव्य अंतर सदन अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों

सदनों कोरल, सफायर, टॉपेज और एमराल्ड के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के लिए दो विषय निर्धारित किए गए थे, डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा बैसाखी। प्रतिभागियों ने दोनों विषयों पर प्रभावशाली और जोशीले भाषण प्रस्तुत किए, जिसमें उन्होंने अपनी वक्तृत्व कला, आत्मविश्वास और विषय की समझ का शानदार परिचय दिया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषण कौशल, आत्म-विश्वास और सामाजिक विषयों की समझ को विकसित करना था। सभी प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और दर्शकों की तालियों के साथ उन्हें सराहा गया। इस प्रतियोगिता में टोपेज हाउस की वेदिता प्रथम, सफायर हाउस से हिमांशु मलिक और एमराल्ड हाउस से साक्षी द्वितीय और सफायर हाउस की गीतिका तृतीय रही। स्कूल निदेशक सुरेंद्र फोगाट, शैक्षिक निदेशक कृष्णा बल्हारा फोगाट व प्रधानाचार्य ढुलाल देब ने विजयी प्रतिभागियों को बधाई दी और सभी छात्रों को ऐसे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

शिविर में 112 लोगों ने किया रक्तदान

- हनुमान मंदिर खरावड़ में पुल के नीचे लगाया रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरिओम सेवादल द्वारा भगवान हनुमान के जन्मोत्सव पर हरिओम सेवा दल के प्रधान डॉ. अनिल शर्मा की माता समाजसेवी रघुवीर शर्मा की पत्नी तुलसी देवी की स्मृति में रक्तदान शिविर हनुमान मंदिर खरावड़ में पुल के नीचे लगाया गया। मुख्य अतिथि सेवादल के सरपरस्त एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन की पत्नी संध्या जैन, पुत्रवधू स्मृद्धि जैन एवं हरिओम सेवा दल के प्रधान डॉ. अनिल शर्मा व सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में 112 लोगों ने रक्तदान किया। जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर हरिओम सेवा दल द्वारा संचालित पंचमुखी श्री हनुमान मंदिर आश्रम एवं डिस्पेंसरी सेक्टर 4 एक्सटेंशन में संकीर्तन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर हरिओम सेवा दल के प्रधान डॉ अनिल शर्मा, संस्थापक सदस्य संजय खुराना, राजीव जैन, रवि सोहन, राजू बत्तरा, अश्वनी पाहवा, योगेश अरोड़ा, जगत सिंह गिल, देवेंद्र शर्मा, सन्नी निझावन, हरीश दुआ, राजेंद्र भंडुला, विकास दलाल, रवि सोहन, रामजी दास, राजेश, सन्नी, आदि उपस्थित रहे।

रोहतक। शिविर में रक्तदाता को सम्मानित करते संध्या जैन, स्मृद्धि जैन एवं हरिओम सेवा दल के प्रधान डॉ. अनिल शर्मा ।

प्रदेश की हाई सिक्योरिटी जेल का निर्माण जल्द होगा पूरा : अरविंद शर्मा

सुनारिया स्थित जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक में देश की आधुनिक व उच्च सुरक्षित जेल का निर्माण इसी वर्ष पूरा हो जाएगा। अत्याधुनिक उपकरणों से लैस इस जेल में गैंगस्टरों व आतंकियों को कड़ी सुरक्षा के बीच रखा जाएगा। यह जानकारी शनिवार को कारागार मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने सुनारिया स्थित जिला कारागार का औचक निरीक्षण के दौरान कही। जेल अधीक्षक सत्यवान व उप जेल अधीक्षक दिनेश यादव से हवालाती व कैदियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। जिला कारागार में बंद 1319 हवालाती व कैदियों की सुरक्षा को लेकर किए जा रहे प्रबंधों की जानकारी लेते हुए उन्हें गुणवत्ता से भरपूर खाना उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने 19 एकड़ में बन रही हाई सिक्योरिटी जेल को लेकर फीडबैक लिया। अधिकारियों ने जेल मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा को बताया कि इस जेल का निर्माण कार्य इसी साल पूरा हो जाएगा। सुरक्षा की दृष्टि से पूरी जेल में कंक्रीट व सीमेंट का ही इस्तेमाल किया गया है, वहीं बिजली का पॉइंट भी किसी सेल में नहीं होगा। यह जेल प्रदेश की पहली व देश की विशिष्ट जेल होगी, जिसमें हार्डकोर अपराधी, गैंगस्टर व आतंकियों को रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि निमर्णाधीन दो मंजिला उच्च सुरक्षित जेल में 312 सेल बनाए जा रहे हैं।

निरंतर कार्यक्रमों के आयोजन पर दिया जोर

कारागार मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने जेल परिसर के रेडियो स्टेशन, वर्कशाप व धुन प्रोजेक्ट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जेल अधीक्षक को निर्देश दिए कि जेल परिसर में सफाई व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध रखे जाएं, ताकि स्वच्छता को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने हवालातियों व कैदियों के लिए निरन्तर कार्यक्रम आयोजित करवाने पर भी जोर दिया, ताकि उनका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहे। कारागार मंत्री ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिए कि वो सुनिश्चित करें कि जेल परिसर में किसी भी तरीके से नशीला पदार्थ न पहुंच पाए। उन्होंने हाजिरी रजिस्टर की जांच-पड़ताल भी की।

छात्राओं को किया सम्मानित

रोहतक। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर रहे। प्राचार्या डॉ दर्शना ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर गत वर्ष विशिष्ट शैक्षणिक उपलब्धि प्राप्त छात्राओं को पारितोषिक प्रदान कर समानित किया गया। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर प्रस्तुति दी। इस अवसर पर डॉ मीनू नैन, डॉ दीपक मलिक, डॉ निशा, डॉ अंजू, डॉ वीना सचदेवा, डॉ बिंदु, डॉ सुभाष बल्हारा, डॉ नरेश, डॉ फूल कुमार, डॉ सूरजमुखी यादव, डॉ साधिका, डॉ बसंत कुमार, डॉ प्रद्युमन, डॉ किरण शर्मा, डॉ नीति अहलावत, डॉ यशपाल, डॉ राजेश, डॉ भूपेंद्र, डॉ योगेश, डॉ अनिता, डॉ सविता, डॉ नीलम, डॉ प्रवीण खत्री, डॉ नीलम मंगला आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 13 अप्रैल 2025

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

विशेषः अप्रैल-तनाव जागरूकता माह

लाइफ में न रहे टेंशन सीखें स्ट्रेस मैनेजमेंट

आज के दौर में जिस तरह की लाइफस्टाइल हम सब जी रहे हैं, उसमें टेंशन से बचना तो बहुत मुश्किल है। लेकिन हम ऐसा जरूर कर सकते हैं, जिससे टेंशन हम पर हावी न हो। इसके लिए हमें स्ट्रेस मैनेजमेंट सीखना होगा। इसे सीखना बहुत कठिन नहीं है। यहां दिए जा रहे कुछ सजेशंस आपके लिए उपयोगी हो सकते हैं।

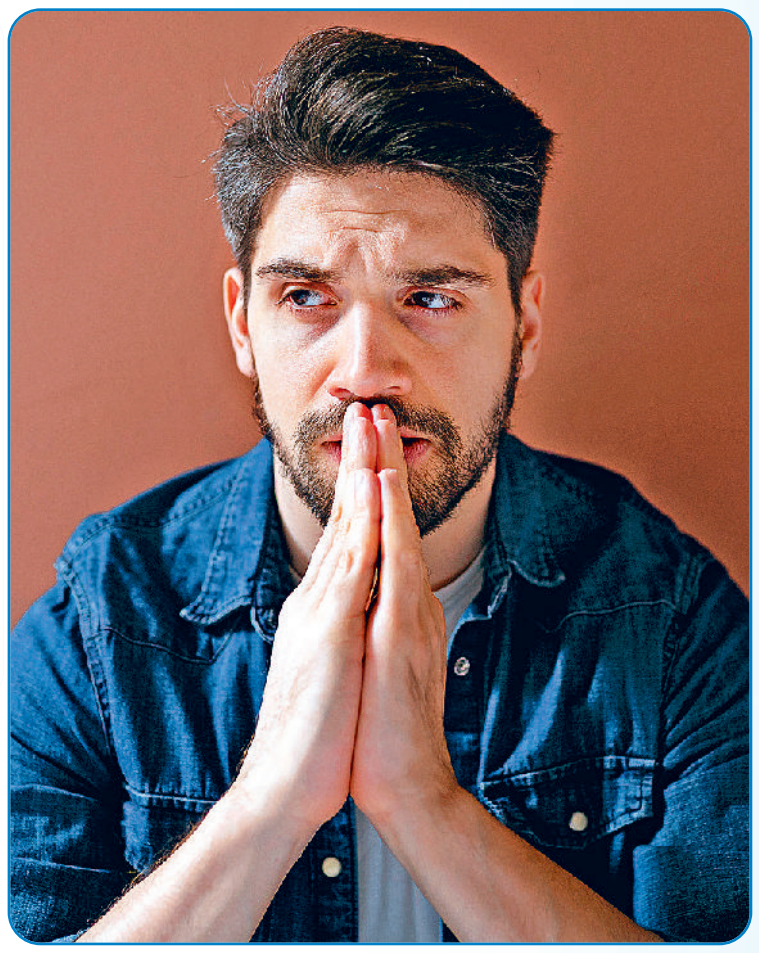

वर्तमान समय में दुनिया के हर हिस्से में स्ट्रेस एक महामारी का रूप ले चुका है। आपा-धापी भरे आज के जीवन में हर आयुवर्ग के लोग तनाव के घेरे में हैं। तनाव की जकड़न बच्चों से लेकर बड़ों तक, बहुत सी शारीरिक और मानसिक समस्याओं का भी शिकार बना रही है। यही वजह है कि तनाव के कारणों, इससे बचाव और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 1992 से हर वर्ष अप्रैल को तनाव जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। महीने भर स्ट्रेस से पैदा हो रहीं समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। तनाव के शिकार लोगों के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए जरूरी हो चला है कि स्ट्रेस मैनेजमेंट के लिए कुछ सहज सरल कदम हर कोई अपनाए।

तनाव को समझिए

सबसे पहले तो तनाव में घिरने की स्थिति को समझना आवश्यक है। आमतौर पर स्ट्रेस के कारण पैदा होने वाली गंभीर बीमारियों के जाल में फंसने से पहले तक स्ट्रेस को कोई परेशानी समझा ही नहीं जाता। जबकि स्ट्रेस के दुष्प्रभावों को समय रहते समझना ही इसके नेगेटिव असर से बचने की राह है। असल में स्ट्रेस को प्रबंधित करने का तरीका जानने के लिए भी इसका शिकार होने की स्थितियों को समझना आवश्यक है। यह समझ तनाव से निपटने के लिए स्वस्थ तरीके ढूंढ़ना भी आसान कर देती हैं। स्ट्रेस के कारण जानकर ही निवारण का मार्ग ढूंढ़ा जा सकता है। इसीलिए सबसे पहले उन ट्रिगर्स को पहचानें, जो तनाव पैदा करते हैं। उन बातों और हालातों को ट्रैक करते रहें, जब आप तनाव महसूस करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में अपनी प्रतिक्रिया पर भी नजर रखें, क्योंकि कई बार अपने गलत रिएक्शन या ओवर रिएक्ट करने से भी अपराधबोध और तनाव बढ़ता है। याद रहे कि खुद अपने मन को विचलित करने वाली स्वास्थ्य समस्या के कारणों को समझना उसके इलाज की राह बहुत आसान बना देता है।

स्वस्थ-सकारात्मक जीवनचर्या

जिंदगी की जुड़ी भाग-दौड़ के अलावा लाइफस्टाइल से जुड़ी गलतियां भी तनाव के घेरे में लाने का कारण बन रही हैं। सधी हुई दिनचर्या से कमोबेश हर उम्र के लोग दूर हुए हैं। जबकि समय पर काम ना निपटाने से लेकर सोने-जागने का सही रूटीन न रखने जैसी आम सी बातें भी इंसान के मन को स्ट्रेस का शिकार बनाती हैं। अस्त-व्यस्त रहना, अनचाहा सामान जमा करना, खुद अपनी चीजों की देखभाल न करना, नींद पूरी न होना, बुरी लत या कसरत ना करना। सब कुछ मन पर एक अनचाहा सा बोझ बढ़ाने वाला परिवेश बनाकर स्ट्रेस का कारण बन जाते हैं। तनाव की जकड़न वाली गंभीर स्थितियों में डॉक्टर की सलाह लेना आवश्यक है। संतुलित जीवनशैली, स्ट्रेस के जाल में फंसने ही नहीं देती। साथ ही अनुशासित जीवनशैली हमारे विचारों को भी सकारात्मक दिशा देती है। पॉजिटिव सोच, तकलीफदेह परिस्थिति में भी 'सब खत्म हो गया', 'अब कुछ नहीं हो सकता' जैसे नकारात्मक विचारों से बचाती है। असल में आशावादी मन, जीवन के हर उतार-चढ़ाव में एक नयापन ढूंढ़ता है। यह सोच कभी तनाव के घेरे में नहीं आने देती।

जीवन से जुड़िए

आज के दौर में स्क्रीन में गुम रहना हो या चाहे-अनचाहे खुद तक सिमट जाने की प्रवृत्ति, अकेलापन और सामाजिक जीवन से दूरी तनाव के सबसे बड़े कारणों में शामिल हैं। इंसान का जीवन भावनाओं और सामाजिक संबंधों से गहराई से जुड़ा हुआ है। अपनेपन से पोषण पाता है। स्नेह और साथ, मन को सुख देने वाले भाव हैं। यही वजह है कि सामाजिक गतिविधियों का सिमटना तनाव को विस्तार दे रहा है। आज के समय में जिंदगी में एक नीरसता और रूखापन भी आया है। दुनिया भर से जुड़े होने के मुगालते में इंसान खुद अपनी जिंदगी से दूर हुआ है। स्ट्रेस में घिरी मनःस्थिति को साझा करने के लिए भी अधिकतर लोगों के पास कोई विश्वसनीय साथी नहीं होता। जबकि स्ट्रेस मैनेजमेंट का सबसे अहम पहलू ही यही है कि मन-मस्तिष्क की ऊहापोह सुनने या सही सलाह देने के लिए कोई साथी जरूर हो। विश्वसनीय मित्र या परिजन ही ऐसा कर सकते हैं। अपनेपन की यह बुनियाद बनाने के लिए सामाजिक-पारिवारिक मेल-जोल आवश्यक है। *

इस वर्ष की थीम-लीड विद लव

स्ट्रेस प्रॉब्लम को लेकर जागरूकता लाने का एक अहम पहलू मित्रों, परिजनों, सहकर्मियों और पेशेवर लोगों के साथ अपनी मानसिक-भावनात्मक स्थिति के बारे में खुलकर बात करने का परिवेश बनाने से भी जुड़ा है। साथ ही इन दिनों तनाव के घेरे में फंसे अपनों-परायों का संबल बनने की अवेयरनेस लाने के प्रयास भी किए जाते हैं। साल 2025 के लिए तो तनाव जागरूकता माह की थीम ही 'लीड विद लव' है। यह विषय स्ट्रेस की समस्या को लेकर स्वयं अपने और दूसरों के साथ दया, करुणा और सहज स्वीकार्यता के साथ पेश आने पर केंद्रित है। 'प्यार के साथ नेतृत्व करें' का यह विचार तनाव के चलते बहुत सी चुनौतियों से जूझते हुए भी सकारात्मक बने रहने के भाव को पोसने वाला है। कठिनाई के बावजूद जीवन के प्रति सहज बने रहने का संदेश देता है। यह थीम अपने आप के लिए तनाव प्रबंधन हेतु सधी जीवनशैली, संतुलित भोजन, कसरत, योग, मेडिटेशन और खुले संवाद जैसे बदलावों को अपनाने की राह सुझाती है तो दूसरों के मन को समझने के लिए भी सजग करती है।

आधुनिकता, तकनीकी निर्भरता और स्वार्थपरता की वजह से वर्तमान समय में इंसानी समाज के सामने नैतिकता और भरोसे का संकट आ खड़ा हुआ है। बेहतर समाज के लिए जरूरी है कि इसके ग्राफ को गिरने से बचाए रखा जाए।

बेहतर समाज के लिए न गिरने दें नैतिकता-भरोसे का ग्राफ

सोशल बिहेवियर

यशोधरा भटनागर

कहते हैं, शेयर बाजार में कब कौन-सा स्टॉक ऊपर जाएगा और कौन-सा औंधे मुंह गिरेगा, यह कोई नहीं बता सकता। ठीक वैसे ही आजकल इंसानों का भी हाल हो गया है। किसी पर भरोसा करो तो हो सकता है कि वह अगले ही पल आपको ठगने का प्लान बना रहा हो। रिश्तों और भरोसे की कीमतें इस कदर अस्थिर हो गई हैं कि कौन कब नैतिकता के बाजार में दिवालिया हो जाए, इसका कोई भरोसा नहीं।

बदल गया है नजरिया: पहले के जमाने में इंसान अपने चरित्र और नैतिकता से पहचाना जाता था, लेकिन अब यह पहचान उसके बैंक बैलेंस, सोशल मीडिया स्टेटस और अवसरवादी सोच पर आधारित हो गई है। ईमानदारी और सच्चाई के शेयर दिन-ब-दिन गिरते जा रहे हैं, जबकि स्वार्थ, धोखाधड़ी और अवसरवाद के स्टॉक्स बुल मार्केट में है। अब रिश्ते भी शेयर बाजार की तरह हो गए हैं। अगर आपका कोई मित्र या रिश्तेदार आपसे जुड़ा हुआ है, तो यह मत समझिए कि वह आपके अच्छे स्वभाव और ईमानदारी की वजह से है। हो सकता है कि उसने सिर्फ इसलिए आपका साथ पकड़ा हो, क्योंकि वह आपसे कोई मुनाफा निकालना चाहता हो। जैसे ही उसे कोई बेहतर 'इन्वेस्टमेंट ऑप्शन' मिलेगा, वह अपना सारा इमोशनल कैपिटल निकाल कर कहीं और लगा देगा। आजकल दोस्ती और रिश्ते भी आई.पी.ओ. (इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग) की तरह होते हैं। पहले बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, भरोसे के लुभावने विज्ञापन दिए जाते हैं, और जैसे ही लोग इसमें निवेश करते हैं, धीरे-धीरे हकीकत सामने आने लगती है। कई दोस्त और रिश्तेदार सिर्फ तब तक साथ रहते हैं, जब तक उनकी 'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट' अच्छी बनी रहती है। जैसे ही उन्हें लगता है कि अब यहां कोई फायदा नहीं बचा, वे अपने शेयर बेचकर कहीं और चले जाते हैं।

दिखावा हुआ महत्वपूर्ण: इस नए दौर में दिखावा ही असली पूंजी बन गया है। लोग नैतिकता और ईमानदारी को कर्ज में डूबा हुआ शेयर मानते हैं, जबकि तड़क-भड़क और चालाकी का ग्राफ ऊपर चढ़ता जा रहा है। अगर आप सीधा-सादा जीवन जीते हैं और सच्चाई में विश्वास रखते हैं, तो आपको पुराने जमाने का 'लो वैल्यू स्टॉक' मान लिया जाएगा। लेकिन अगर आप थोड़े घमंडी, थोड़े धोखेबाज और बहुत बड़े दिखावटी हैं, तो आपको 'हाई ग्रोथ स्टॉक' माना जाएगा।

कम हुआ भरोसे का मान: आज की दुनिया में भरोसे का इंडेक्स इस कदर गिर चुका है कि आज किसी की बातों पर यकीन करना ही जोखिम भरा हो गया है। वायदा कारोबार की तरह, लोग बड़े-बड़े वादे तो कर लेते हैं, लेकिन जब डिलीवरी देने का समय आता है, तो 'मार्केट क्रैश' हो जाता है। कई दोस्त और रिश्तेदार इस दौर के 'इनसाइडर ट्रेडर' बन चुके हैं- बाहर से मासूम लगते हैं, लेकिन अंदर ही अंदर आपकी कीमत गिराने की साजिशें चल रही होती हैं। आजकल जब कोई आपसे बहुत मीठा बोलता है, तो यह समझने में देर नहीं लगती कि या तो वह आपसे कुछ उधार लेना चाहता है या फिर कोई और फायदा उठाने के लिए पास आ रहा है। यह दौर वही है, जहां दोस्ती भी 'मार्केट सिचुएशन' देखकर बनाई और तोड़ी जाती है।

विश्वसनीयता का संकट: सवाल है आज की दुनिया में नैतिकता, सच्चाई और अच्छाई का मूल्य आखिर इतना कम क्यों हो गया है? ऐसा नहीं है कि यह दुनिया शुरू से ही ऐसी थी। पहले लोगों की पूंजी उनका चरित्र हुआ करता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब ईमानदार इंसान को 'अनप्रॉफिटेबल इन्वेस्टमेंट' मान लिया जाता है। किसी की मदद कर दो तो लोग सोचने लगते हैं कि इसमें आपकी क्या चाल है! आज के दौर में अगर आप बिना किसी स्वार्थ के किसी की मदद कर दें, तो सामने वाला शक की नजरों से देखने लगता है। लोग भरोसे की डीलिंग में इतने बार ठगे जा चुके होते हैं कि अब जल्दी किसी पर विश्वास करने से डरते हैं।

बनी रहे रिश्ते-भरोसे की गरिमा: अगर इंसान इसी राह पर चलता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब नैतिकता और मूल्यों की बाजार में कोई खरीद-फरोख्त नहीं बचेगी। लोग केवल दिखावे और मुनाफे के स्टॉक्स में निवेश करेंगे, और इंसानियत का सेंसेक्स हमेशा के लिए क्रैश हो जाएगा। इसलिए जरूरी है कि हम सिर्फ मुनाफे और अवसर के व्यापारी न बनें, बल्कि ऐसे निवेशक बनें जो रिश्तों और भरोसे के ब्लू-चिप स्टॉक्स में लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट करें। तभी समाज का शेयर बाजार स्थिर रहेगा और नैतिकता का ग्राफ फिर से ऊपर जाएगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

शैलेंद्र का गीतों भरा जीवन

अपने छोटे से जीवन में ही गीतकार शैलेंद्र ने ऐसे यादगार और शानदार गीत रचे, जो आज भी लोगों की जुबान पर हैं। उनके फिल्मी, गैर फिल्मी गीतों के साथ ही उनके जीवन के तमाम अनछुए पहलुओं पर रोशनी डालती है किताब 'सजनवा बैरी हो गये हमार-गीतकार शैलेंद्र का जीवन और लेखन', जिसे लिखा है, चर्चित फिल्म समीक्षक और लेखक जय सिंह ने। इस किताब से गुजरते हुए हम शैलेंद्र के जीवन में आए तमाम उतार-चढ़ावों से रूबरू हो सकते हैं। परिश्रम से लिखी गई इस किताब में शैलेंद्र के जीवन से जुड़े कई रोचक और मार्मिक किस्सों को पूरी प्रामाणिकता के साथ संजोया गया है। जीवन के हर रंग और गहन दर्शन को सरल शब्दों में पिरोने वाले शैलेंद्र के बारे में इरशाद कामिल ने पुस्तक की भूमिका में सही ही लिखा है, 'शैलेंद्र शब्दों का शिल्प जानता था, कविता की कला जानता था, भावनाओं के सागर की गहराई जानता था और लोगों के दिलों तक पहुंचने का रास्ता जानता था।' *

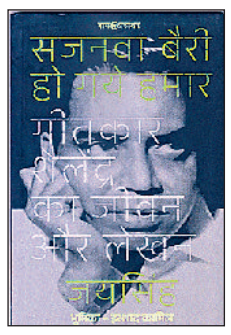

पुस्तकः सजनवा बैरी हो गये हमार, लेखकः जय सिंह, मूल्यः 250 रुपए, प्रकाशकः वाम प्रकाशन, नई दिल्ली

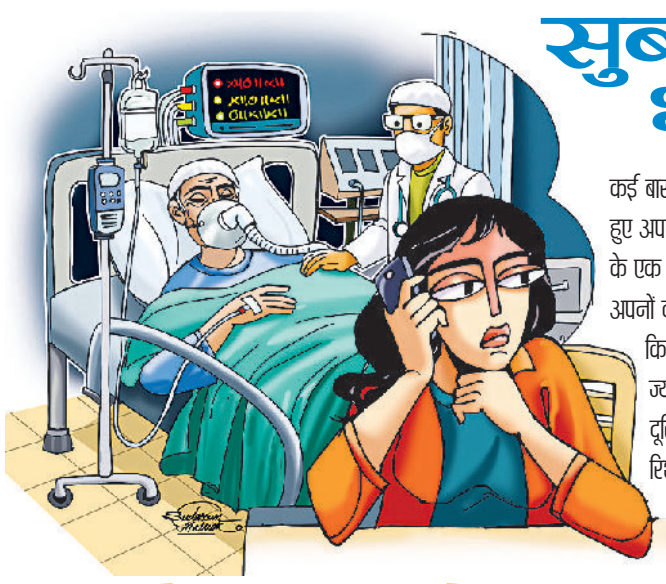

सुबह का भूला

कई बार हम किसी दंभ में जीते हुए अपनों से दूर हो जाते हैं। उम्र के एक पड़ाव पर आकर हमें अपनों की जरूरत महसूस होती है, किसी विपदा में तो और भी ज्यादा, लेकिन तब तक बहुत दूरियां बन चुकी होती हैं, रिश्ते मुरझा चुके होते हैं। जीवन की विसंगति को प्रकट करती कहानी।

कहानी / संजय मृदुल

फाइव स्टार होटल जैसा बड़ा हॉस्पिटल, लॉबी में भीड़-भाड़ के बीच कॉफी शॉप की एक टेबल पर अल्पना अकेली बैठी थी। कॉफी से उठता धुआं अल्पना की आंखों में भर रहा था। अल्पना के चेहरे पर तनाव झलक रहा था। हॉस्पिटल का माहौल ऐसा होता ही है कि अच्छे-भले इंसान का दिल बैठ जाए। वार्डों में कहीं पट्टियों में लिपटे मरीज, किसी बिस्तर पर आंख बंद कर लेटे हुए इंसान के सिर के बाजू रखी मशीन की डरावनी आवाज। आईसीयू के बाहर बैठे परिवारजनों के चेहरे पर किसी आस के भाव, तो किसी की आंखों में निराशा की झलक। अल्पना का यह पहला अवसर था, जब उसे अस्पताल में एक जगह से दूसरी जगह भाग-दौड़ करनी पड़ रही थी।

उधर अल्पना के पिता जी का ऑपरेशन चल रहा था। उन्हें दो दिन पहले सुबह-सुबह सीने में दर्द उठा। अल्पना ने नौकर की मदद से जैसे-तैसे कार से लाकर उन्हें हॉस्पिटल में भर्ती किया। पता चला धमनियों में ब्लॉकेज है। तात्कालिक उपचार और जाने कितने टेस्ट के बाद आज ऑपरेशन हो रहा है।

अल्पना को समझ में नहीं आ रहा है, किसे कॉल करें। खुद पर उसे भरोसा नहीं हो रहा था कि वह सब संभाल पाएगी। जितने भी रिश्तेदार हैं शहर में, उनसे बस औपचारिक-सा रिश्ता है। न वो किसी के घर जाती है, न ही कोई उसके घर आता है। मन में एक ख्याल यह भी आ रहा था कि अकेले ही संभालना ठीक है, क्यों किसी का एहसान लिया जाए।

इसी ऊहापोह में अल्पना ने बैठे-बैठे कुछ लोगों को पिता जी के बारे में बताने के लिए कॉल किया। मामा जी, चाचा जी, मौसा जी जैसे निकट के रिश्तदारों को। सबने आश्चर्य जताया, सहानुभूति दिखाई और जरूरत पड़े तो बताना जैसे वाक्य बोल इतिश्री कर ली। पिता जी के चचेरे भाई को लगा, पैसे न मांग लें तो वो बिना कुछ कहे पैसों का दुखड़ा रोने लगे।

अल्पना को न पैसों की जरूरत थी न ही भीड़ की, उसे लग रहा था कि कोई होता यहां, जो उसकी हिम्मत बढ़ाता, उसका हाथ थामता, उसका अकेलापन बांटता। मुश्किल की इस घड़ी में उसे कोई ऐसा नजर नहीं आया, जो उसका साथ देता।

गलती किसकी है? अल्पना सोचती रही-हम ही तो समय, व्यस्तता के बहाने बनाकर लोगों से दूरी बना लेते हैं। न किसी के घर जाना, न किसी को बुलाना। सोशल मीडिया में भीड़ वाली लिस्ट में लोगों से जुड़े रहना और जीवन में तन्हा रहना, यही आज की कड़वी सच्चाई है।

पद-प्रतिष्ठा के रुआब में अकड़े हुए, शहर-शहर भटकते हुए जीवन बिता देने वाले उसके पिता ने न कभी रिश्ते जोड़े, न परिवार को जुड़ने दिया। मां भी अपने पति की ऐसी आज्ञाकारी थीं कि जैसा पति ने कहा, वही पत्थर की लकीर बन गया। न मायके में संबंध बनाए रखा, न ससुराल में नाता जोड़ पाईं वह। अल्पना सबको बस या तो नाम से जानती थी या पुरानी अलबम में देखी तस्वीरों से। जब पिता जी के रिटायर होने का समय आया तो उन्हें अपना शहर याद आया। आता भी क्यों नहीं, सारा जीवन अलग-अलग शहरों में घूमने के बाद कहीं तो ठिकाना बनाना था। फिर मां भी नहीं हैं, उनके साथ। भाग-दौड़ के बीच एक दिन मां दुनिया छोड़ कर चली गई थीं। हमेशा खामोश रहने वाली मां ने न अपनी बीमारी बताई, न मन में भरा हुआ बारूद खाली कर पाई। पति के अफसर वाले व्यवहार को झेलती-सहती एक रात वह जो सोईं तो सुबह उठी ही नहीं। अल्पना भी पढ़ाई के बाद पुणे में नौकरी कर रही है। छुट्टियों में आती है तो पिता जी के ढेर काम इकट्ठा होते हैं। रिटायर होने के बाद भी उनका व्यवहार अफसर वाला ही है। पिता कम अफसर ज्यादा लगते हैं वह। तीन-चार दिन की छुट्टियों में पिता जी को केवल काम याद रहता है। ऐसा नहीं कि बैठ कर मन की बातें करें, उसके भविष्य की प्लानिंग पूछें। मां को याद कर लें। बचपन में अल्पना सोचती थी, पिता कभी और लोगों की तरह नॉर्मल क्यों नहीं रहते? उसकी सहेलियों के पिताओं की तरह क्यों उसे लाड नहीं करते?

अल्पना को आज लग रहा था, कितनी बड़ी गलती की उन्होंने। सभी इसी शहर में रहते हैं, बुआ, चाचा, उनका परिवार, लेकिन आज कोई उसके साथ नहीं है। किसे फिक्र है उसकी? किसी ने भी उससे नहीं कहा, 'तुम चिंता मत करो, हम हैं ना।'

कॉफी के मग से उठते धुएं के बीच अल्पना सोचती है कि यह पिता जी की गलती सुधारने का सही मौका है। लेकिन यह भी भय था कि सब ऐसा न समझें कि मतलब पड़ा, तो सबसे संबंध जोड़ रही है वह। बड़ी हिम्मत कर अल्पना ने परिवार के व्हाट्स एप ग्रुप में स्थिति बयान की और सबसे माफी मांगते हुए निवेदन किया कि बीती बातों को भुलाकर पिता जी और उसे मौका दें फिर से जुड़ने का। आज जब उसके ऊपर परेशानी आई है तो उसके साथ खड़े हों, उसका हाथ थाम कर उसे संभालें। अब सबकी मर्जी चाहे अवसर दें या ठुकरा दें। अल्पना को उम्मीद थी, जब सुबह का भूला शाम को घर आना चाह रहा है, कोई तो दरवाजा खोलेगा। *

विज्ञापन.....

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लेडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

@DGN

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

नदियों किनारे लगने वाले बैसाख मेले

मनमोहक धार्मिक-सांस्कृतिक छटा

बैसाख माह में भारत की विभिन्न नदियों के किनारे लगने वाले मेले धार्मिक आस्था, कृषि परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर का संगम हैं। गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी, कावेरी और ब्रह्मपुत्र तट पर लगने वाले ये मेले बहुत धार्मिक महत्व रखते हैं। इन बैसाख मेलों की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परंपराओं पर एक नजर।

पर्व-परंपरा / धीरज बसाक

भारत में सदियों से जीवन जीने का ढंग महज भौतिक नहीं रहा यानी खाने-पीने और आराम करने तक ही सीमित नहीं रहा। हमारे यहां जीवन प्रकृति, मौसम, धर्म और संस्कृति के खूबसूरत तालमेल का हिस्सा रहा है। यही वजह है कि प्राचीनकाल में हमारे यहां कोई भी मौसम आपदा या परेशानी का सबब नहीं माना जाता था, बल्कि सभी मौसम अपनी-अपनी तरह के उल्लास का स्रोत माने जाते रहे हैं।

प्राकृतिक बदलाव का स्वागत-पर्व: हमारे यहां रोजमर्रा के जीवन में, हर मौसम के साथ दोस्ती करने, उसके साथ जीवंत तालमेल बनाने की बकायदा जीवनशैली रही है। हम हर मौसम का उसके आने के पहले अपनी ऐसी ही धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के जरिए स्वागत करते रहे हैं। उसके साथ तालमेल बिठाते रहे हैं, इस कारण हमारे यहां परंपराओं के नाम पर हर मौसम के अनुकूल उल्लास की चुनी और बुनी हुई गतिविधियां मौजूद रही हैं। यही वजह है कि बसंत ऋतु को विदा देने वाले और घनघोर गर्मियों की तरफ कदम बढ़ाने वाले बैसाख माह में सदियों से हमारे यहां नदियों के किनारे बकायदा उल्लास भरे सांस्कृतिक मेले लगते रहे हैं।

पंजाब में बैसाखी पर गिद्दा करती महिलाएं

बैसाखी मेले पर वृंदावन में कृष्णलीला का मंचन

नदियों किनारे लगते हैं मेले: हालांकि अब इन परंपरा को ढोने वाले मेलों में वह जीवंतता, लोगों की वह चुंबकीय भागीदारी नहीं बची, जो इन्हें उल्लास का कारक बनाती हैं। लेकिन आज भी बैसाख महीने में भारत की सभी बड़ी नदियों के किनारे किसी न किसी रूप में ये बैसाख मेले लगते हैं, जो हमें किसी हद तक हमारी धार्मिक आस्था, कृषि पर्व, और लोक-संस्कृति से जोड़ते हैं।

हरिद्वार-प्रयाग-काशी के बैसाख मेले: हरिद्वार में हर की पैड़ी और सप्तऋषि घाट, प्रयागराज में संगम के किनारे और वाराणसी में वृंदावन घाट, गांव के किनारे बैसाख मेले लगते हैं। गंगा नदी प्राचीन काल से हमारी सनातन आस्था और संस्कृति के केंद्र में रही है। इसके किनारे बसे महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक शहरों हरिद्वार, प्रयागराज और काशी या वाराणसी में हर साल बैसाख माह में मेले लगते रहे हैं। आज भी प्रतीक रूप में बचे इन मेलों में लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। इनकी प्रमुख गतिविधियों में गंगा आरती, भजन-कीर्तन और दान-पुण्य होता है। इस दौरान यहां संतों के प्रवचन और वैदिक अनुष्ठान भी होते हैं। वाराणसी में विशेष तौर पर क्षेत्रीय हस्तशिल्प, खान-पान, और पारंपरिक वस्त्रों के स्टॉल लगते हैं। यहां मेला मुख्य रूप से पंचकोशी परिक्रमा मार्ग पर स्थित वृंदावन गांव में लगता है, जो वाराणसी शहर से लगभग 10-12 किलोमीटर की दूरी पर है।

मान्यता है कि बैसाख माह में यहां यानी वृंदावन सरोवर घाट में स्नान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। यहां बैसाख मेले में स्थानीय कलाकारों द्वारा लोकगीत, नाटक, और भजन-कीर्तन किए जाते हैं। इससे यह एक सांस्कृतिक उत्सव बन जाता है।

पंजाब में बैसाखी मेले: बैसाखी का पर्व, सिख और पंजाबी समुदाय के लिए कई वजहों से बहुत महत्वपूर्ण है। वैसे यह फसल कटाई का त्योहार माना जाता है, लेकिन इसी दिन सन 1699 में गुरु गोविंद सिंह जी ने आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी। इसलिए पंजाब में यह पवित्र पर्व नदियों और सरोवरों के किनारे लगने वाले मेलों के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गुरुद्वारों में विशेष कीर्तन और लंगर होता है।

तिरुचिरापल्ली में श्रीरंगनाथस्वामी मंदिर

कामाख्या मंदिर में बैसाखी मेले पर उमड़े श्रद्धालु

लोग खुशी व्यक्त करने के लिए पारंपरिक भांगड़ा-गिद्दा नृत्य करते हैं। स्वर्ण मंदिर (अमृतसर) और आनंदपुर साहिब में भव्य आयोजन होते हैं। हालांकि स्वर्ण मंदिर सीधे किसी नदी किनारे स्थित नहीं है। इसके कुछ किलोमीटर दूर कालीबेई और रावी नदी बहती हैं जबकि आनंदपुर साहिब सतलुज की सहायक नदी सिरसा के तट पर स्थित है, जहां बैसाख मेले की खूब रौनक सजती है। बैसाखी का दिन रबी फसल (गेहूं) की कटाई के बाद किसानों के लिए खुशियों का अवसर होता है। किसान नई फसल का उत्सव मनाते हैं।

मथुरा-वृंदावन में बैसाख मेला: विश्राम घाट, मथुरा और कोशी घाट, वृंदावन में आयोजित बैसाख मेलों के दौरान भगवान कृष्ण से जुड़ी कथाओं का मंचन और झांकी निकाली जाती हैं। लोग यमुना नदी में स्नान करते हैं और विशेष पूजा-अर्चना करते हैं।

नासिक का बैसाख मेला: बैसाखी मेला नासिक के पंचवटी क्षेत्र में रामकुंड में आयोजित होता है। श्रद्धालु यहां दूर-दूर से स्नान करने आते हैं। इस पूरे मेले वाले दिन यहां महाराष्ट्र की लोकसंस्कृति के साथ-साथ भजन और कीर्तन का आयोजन होता है।

नर्मदा तट पर मेला: बैसाखी के दिन नर्मदा उद्गम स्थल, अमरकंटक में श्रद्धालु पवित्र नर्मदा नदी में स्नान और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। बड़े पैमाने पर इस स्नान के लिए यहां देशभर से साधु-संत आते हैं। शाम को नर्मदा नदी की आरती होती है। अमरकंटक के अलावा होशंगाबाद के सेठानी घाट पर भी बैसाखी मेला लगता है।

कावेरी तट पर मेला: बैसाखी के दिन कर्नाटक और तमिलनाडु में बहने वाली पवित्र कावेरी और इसकी सहायक नदियों के किनारे बसे तिरुचिरापल्ली, कुंभकोणम और मैसूर शहर में विशेष बैसाखी मेले आयोजित होते हैं। तिरुचिरापल्ली में स्थित श्रीरंगनाथस्वामी मंदिर में इस दिन विशेष पूजन और उत्सव संपन्न होता है। कुंभकोणम में भी इस दिन पारंपरिक द्रविड़ शैली की भव्य झांकियां निकलती हैं। इसके साथ ही कावेरी के तट पर वैष्णव भक्तों का हुजूम उमड़ता है और भक्ति संगीत की त्रिवेणी बहती है।

ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर बैसाखी मेला: कामाख्या मंदिर, गुवाहाटी में इस मेले के दौरान विशेष अनुष्ठान संपन्न होते हैं। इन अनुष्ठानों में तांत्रिक परंपराओं का पालन होता है। जिसमें असमिया लोक संस्कृति और बिहू नृत्य का प्रदर्शन होता है।

बिहार-झारखंड के बैसाख मेले: बिहार में सोनपुर का और झारखंड में गुमला स्थित रामरेखा धाम का बैसाख मेला बहुत प्रसिद्ध हैं। गंडक और गंगा के संगम में सोनपुर का यह मेला ऐतिहासिक हरिहरनाथ मंदिर से जुड़ा हुआ है। इस मेले में लोकनृत्य, पारंपरिक झूमर नृत्य का विशेष प्रदर्शन होता है। *

सही नहीं हर किसी को अनावश्यक उपदेश देना

दूसरों को उपदेश देना सामान्य मानवीय स्वभाव है। जब से सोशल मीडिया का ट्रेंड बढ़ा है, दूसरों को उपदेश देने वालों की बाढ़ आ गई है। लेकिन ऐसा बार-बार करने से घर के सदस्य हों या बाहर के लोग, आपसे दूरी बनाना शुरू कर सकते हैं।

बिहेवियर

विवेक कुमार

इन दिनों सोशल मीडिया पर हेल्थ रिलेटेड कई इंफ्लूएंसर यह शिकायत कर रहे हैं कि अब लोग उनकी टिप्स पर उतना ध्यान नहीं देते, जितना पहले दिया करते थे। दरअसल, इसकी वजह उनका लगातार उपदेश देते रहना है। यह विभिन्न शोध अध्ययनों से स्पष्ट हो गया है कि लोग एक हद तक ही किसी से ज्ञान ले सकते हैं या उनके उपदेश सुन सकते हैं। एक सीमा के बाद लोग ऊब जाते हैं, क्योंकि हर कोई अपनी सोच और फैसलों में आजादी चाहता है, जबकि उपदेश देने वाला हर हाल में उसे अपना फॉलोअर बनाना चाहता है।

संभव नहीं हमेशा सुनना: उपदेशों में आमतौर पर संवाद एकतरफा हो जाते हैं और सामने वाला सिर्फ सुनने को मजबूर हो जाता है। इसलिए एक न एक दिन वह उपदेशों से दूरी बनाने लगता है। यह बात सिर्फ बाहर ही नहीं घर-परिवार में भी लागू होती है। जिन बच्चों को मां-बाप कुछ न कुछ सिखाते रहते है यानी, उपदेश देते रहते हैं, वे बच्चे अकसर इन उपदेशों से किसी न किसी दिन बगावत कर देते हैं।

सोशल मीडिया से बढ़ा ट्रेंड: ज्यादा उपदेश सुनना किसी को पसंद नहीं होता, यह बात जानने-समझने के बावजूद आज सोशल मीडिया में हर तरफ, हर कोई उपदेश ही देते मिलता है। लोग अब सिर्फ बातें ही नहीं सिखाते बल्कि अपनी बात मनवाने के तमाम तर्क देते हैं, अपनी बताई दिशा में धकेलने का पूरा प्रयास करते हैं। ऐसा करना अनुचित है। लेकिन हमारे इर्द-गिर्द हर क्षेत्र के ढेरों तथाकथित विशेषज्ञ हो गए हैं, जो किसी भी शर्त पर हमारा मार्गदर्शन करने से चूकना नहीं चाहते। ऐसे लोगों के दिलो-दिमाग में हर समय उपदेश कुलबुलाते रहते हैं और वे यही चाहते हैं कि जैसे ही कोई मिले वह उन पर ये उपदेश उड़ेल दें।

हर कहीं मौजूद उपदेशक: आज के दौर में हमारे इर्द-गिर्द ऐसे उपदेशकों की भरमार है। टेलीविजन चैनल पर दिन-रात विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के उपदेश प्रसारित होते हैं। बहुत सारी सेल्फ हेल्प बुक्स हैं, उनमें उपदेशों की भरमार होती है। यहां तक कि बाजार में सब्जी या कोई सामान खरीदने जाएं तो वहां पर भी आपको ऐसे उपदेश सुनने को मिल सकते हैं। मसलन, आपने दुकान वाले को 50 की बजाय 100 रुपए का नोट थमा दिया और वह आपके पैसे वापस करता है तो भी उपदेश के साथ, जो वह ईमानदारी पर देता है और आपको उपदेश पर उसकी सारी बातें सुननी पड़ती हैं। घर आकर आपको लगता है कि कितना अच्छा होता वह आपको 50 रुपए भले वापस न करता, आपको इतने उपदेश तो न सुनने पड़ते।

मिलती है संतुष्टि: उपदेशक बनने में एक संतुष्टि मिलती है। आपने कोई अच्छी किताब पढ़ी या आपको कोई उक्ति कोट करने लायक लगती है तो आप जो कुछ सीखते हैं, उसे दूसरों को भी शेयर करते हैं, ऐसे में आप भी तो उपदेशक ही हुए न! उस समय आपको लगता है कि आप जो कह रहे हैं, वह सही है और आपने ऐसी बात कहकर जीवन में किसी को कुछ तो सिखाया है और आपको भी यह विश्वास हो जाता है कि दिल को अच्छी लगने वाली बातों को हम दूसरों से भी शेयर करें। दूसरों से जब हम शेयर करते हैं और वे भी हमारी बात से सहमत होते हैं तो इससे हमें एक सुख मिलता है।

संतुलन है जरूरी: हम आज ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जहां पर चारों ओर अच्छे विचारों और सलाहों के स्वर गूंज रहे हैं। यह अनुचित तभी होगा, अगर हम जबर्दस्ती दूसरों को उपदेश दें। हम एक-दूसरे को सलाह देते हैं कि हमें किसी भी सवाल का जवाब सबसे पहले खुद से पूछना चाहिए। लेकिन हममें से कितने ऐसे लोग हैं, जो अपनी किसी भी समस्या या प्रश्न के बारे में अपने आपसे पूछते हैं? हम हमेशा उसके समाधान के लिए दूसरों का मुंह ताकते हैं। इसलिए किसी को सलाह देना गलत नहीं है, लेकिन किसी को सही समय पर ही सलाह देनी चाहिए, सही जगह और सही नजरिए के साथ। जरूरत इस बात की है, हमें इसमें संतुलन बनाकर रखना चाहिए। जो आपसे सलाह या मार्गदर्शन मांगे, उसे जरूर दें। लेकिन जिसे आपके उपदेशों में रुचि नहीं है या किसी को अपना फॉलोअर बनाने के लिए दबाव डालना उचित नहीं है। *

टेक्नो ट्रेंड

नरेंद्र शर्मा

अगर आप सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं, तो 'घिब्ली स्टाइल' के ट्रेंड से जरूर वाकिफ होंगे। क्या है घिब्ली स्टाइल, यह कहां से शुरू हुआ, क्यों हो रहा इतना वायरल? आप जरूर जानना चाहेंगे।

सोशल मीडिया का नया टाइम पास घिब्ली स्टाइल

इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आए दिन कोई-न-कोई फीचर या एप ट्रेंड करता रहता है। ऐसा ही एक ट्रेंड पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट की दुनिया में छाया हुआ है, जिसका नाम है-घिब्ली स्टाइल। आपमें से कई लोगों ने अपनी और अपनों की फोटोज को घिब्ली स्टाइल में क्रिएट कर एंज्वॉय भी किया होगा।

क्या है घिब्ली स्टाइल: यह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित टूल है, जो एडवांस्ड इमेज प्रोसेसिंग तकनीक के माध्यम से तस्वीरों को री-क्रिएट करता है। इस टूल के माध्यम से आप अपनी किसी भी तस्वीर को क्लासिक एनिमेशन स्टाइल तस्वीर में बदल सकते हैं। वैसे मूल 'घिब्ली' का शाब्दिक अर्थ है, रेगिस्तान में चलने वाली गर्म हवा। लेकिन इंटरनेट पर वायरल हो रहे 'घिब्ली स्टाइल' तस्वीरों के ट्रेंड्स को देखते हुए कह सकते हैं कि 'घिब्ली' से आशय हाथ से बनाई गई कार्टून तस्वीरों, समृद्ध जलरंग और एक्रेलिक पेंट्स और डिटेल्ड बैकग्राउंड वाली डिजाइन से है।

कैसे वायरल हुआ यह ट्रेंड: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी 'ओपन एआई' ने 25 मार्च, 2025 को अपने चैट जीपीटी 4 ओ मॉडल में एक नए इमेज जनरेशन फीचर 'घिब्ली स्टाइल' की घोषणा की, जिसके जरिए यूजर्स अपनी तस्वीरों के साथ अनोखे एक्सपेरिमेंट्स कर सकते हैं। सिएटल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर ग्रांट स्लैटन ने उसी दिन अपनी पत्नी और डॉगी के साथ समुद्र तट पर ली गई एक तस्वीर को 'घिब्ली' शैली में परिवर्तित करके अपने एक्स एकाउंट पर पोस्ट कर दिया। देखते ही देखते सोशल मीडिया में न केवल इस तस्वीर को लाइक करने वाले लोगों की संख्या लाखों में पहुंच गई, बल्कि लोग खुद भी अपनी तस्वीरें घिब्ली स्टूडियो शैली में जनरेट करके अपलोड करने लगे और इस वजह से इस ट्रेंड की बाढ़ आ गई।

जापानी स्टूडियो की देन: 'घिब्ली' वास्तव में एक जापानी एनिमेशन स्टूडियो का नाम है, जिसे हायाओ मियाजाकी और इसाओ ताकाहाता ने 1985 में स्थापित किया था। इस स्टूडियो ने अपनी अनूठी कला शैली विकसित की है। इस कला शैली की कुछ खासियतें हैं, जैसे यह शैली बेहद भावनात्मक, सजीव और प्रकृति से गहराई से जुड़ी हुई विजुअल्स निर्मित करती है। इसमें अद्भुत कल्पनाशीलता का विस्तार है, जैसे उड़ते हुए महल, बोलते हुए जानवर और ऐसी ही सम्मोहक जादुई दुनिया।

नैतिकता के पैमाने पर घिब्ली: चैट जीपीटी का यह नवीनतम इमेज-जनरेशन फीचर ऐसी तस्वीरें और दृश्य बना रहा है, जो लगता है मानो सीधे 'स्टूडियो घिब्ली' के मालिक मियाजाकी की स्केचबुक से निकले हों। अब एआई टूल्स जैसे मिडजर्नी और डल-ए, इस स्टाइल की नकल करके पलक झपकते ही हू-ब-हू घिब्ली शैली जैसी तस्वीरें बना रहे हैं। एआई टूल्स की ये सटीक कलात्मकता अपनी जगह है, लेकिन सवाल है कि यह नैतिकता की दृष्टि से कितना सही है? क्योंकि घिब्ली स्टूडियो ने कभी किसी एआई को अपने काम से ट्रेनिंग की अनुमति नहीं दी। फिर भी कंपनियां एआई को यह स्टाइल सिखा रही हैं। वास्तव में यह उचित नहीं है। जिन पारंपरिक कलाकारों को यह स्टाइल सीखने में वर्षों लगे, उनकी वर्षों की मेहनत एआई उनसे पलक झपकते छीन रहा है। इससे दुनिया के वास्तविक कलाकारों का भविष्य खतरे में पड़ रहा है।

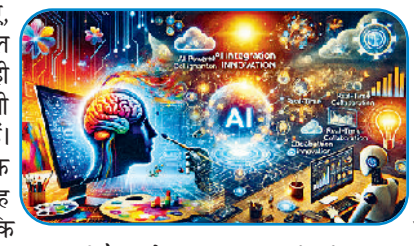

'जब एआई ये सब मुफ्त में बना सकता है, तो मैं किसी कलाकार को क्यों हायर करूं?' लोग यही सोचकर ऐसे क्रिएटिव आर्ट के लिए कलाकारों के बजाय एआई टूल्स की सेवा लेने लगे हैं। लेकिन जरा सोचिए, क्या एक मशीन द्वारा बनाई गई कला भी उतनी ही 'सच्ची' और 'इनसानी' हो सकती है, जितनी किसी इंसान द्वारा बनाई गई? बहरहाल, इन परिस्थितियों से हताश या निराश होने के बजाय हमें नई रचनात्मक दिशाओं की तलाश करनी होगी, जैसे-एआई के साथ मिलकर क्रिएटिविटी को अपनाना। हमें एआई को क्रिएटिविटी में सहयोगी बनाना चाहिए, ऑप्शन नहीं। तभी कला और तकनीक का बैलेंस्ड यूज हो पाएगा। *

हाल में रिलीज हुई फिल्म 'जाट' में सनी देओल अपने जाने-पहचाने एंग्री एक्शन मैन के रोल में दिख रहे हैं। साउथ फिल्मों के डायरेक्टर गोपीचंद मलिनेनी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में काम करने के उनके एक्सपीरियंस कैसे रहे? अब तक की अपनी एक्टिंग जर्नी को वे कैसे देखते हैं? फिल्म और करियर से जुड़े कई सवालों के जवाब सनी देओल ने दिए इस बातचीत में।

बतौर एक्टर मेरा करियर अच्छा-खासा चल रहा है: सनी देओल

खास मुलाकात

पूजा सामंत

चार दशक पहले फिल्म 'बेताब' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले सनी देओल को फिल्म इंडस्ट्री में 42 वर्ष हो चुके हैं। इन दिनों सनी देओल, बीते शुक्रवार को रिलीज हुई फिल्म 'जाट' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की कहानी और पटकथा लिखने के साथ ही डायरेक्ट भी किया है साउथ फिल्मों के गोपीचंद मलिनेनी ने। फिल्म में सनी देओल के अपोजिट रेजिना कैसेंड्रा और सैयामी खेर हैं, जबकि रणदीप हुड्डा नेगेटिव रोल में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म और करियर से जुड़ी बातें सनी देओल के साथ।

आपने पहली बार साउथ फिल्म मेकर के साथ फिल्म की है, इसकी क्या खास वजह रही?

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की कई खासियतें हैं। यहां ज्यादातर आम लोगों के लिए फिल्में बनाई जाती हैं। मनोरंजन के साथ-साथ अच्छी कहानी का भी ध्यान रखा जाता है। गोपीचंद ने जब इस फिल्म की स्टोरी सुनाई, तो मुझे फिल्म की कहानी, इसमें मेरा किरदार बेहद पसंद आया, इसलिए मैंने बिना देर किए इस फिल्म के लिए हामी भर दी।

आप खुद जाट परिवार से ताल्लुक रखते हैं। ऐसे में आप अपनी फिल्म 'जाट' के साथ कैसे खुद को रिलेट करते हैं?

यह सच है कि मैं जाट परिवार से ताल्लुक रखता हूं। लेकिन अपने देश में अमूमन 'जट' यानी किसान को भी 'जाट' कहा जाता है। मैं इस फिल्म में जाट यानी किसान बना हूं। किसान कहीं का हो, उनका खान-पान, रहन-सहन, संस्कृति, जीवन तकरीबन एक-सा होता है। खेती-किसानी से हम जुड़े रहे हैं। इसलिए यह फिल्म और इसमें अपने किरदार से मैं आसानी से रिलेट करता हूं।

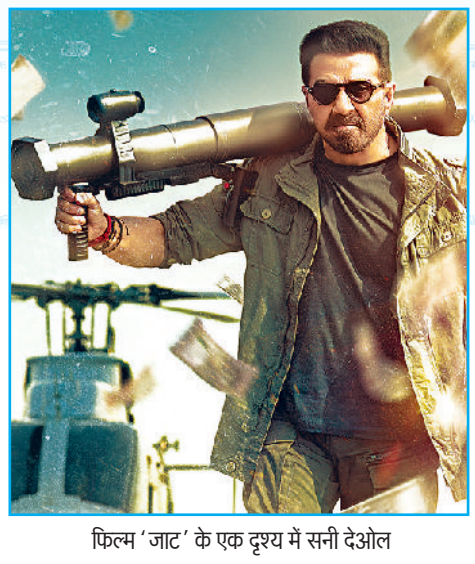

फिल्म 'जाट' के एक दृश्य में सनी देओल

आपने हाल-फिलहाल में यह कहा था कि आप साउथ में सैटल होना चाहते हैं। क्या वाकई ऐसी प्लानिंग है?

साउथ फिल्म इंडस्ट्री का डिसिप्लीन और वर्किंग स्टाइल देखकर मैं सरप्राइज्ड रह गया। 'जाट' साउथ में की मेरी पहली ही फिल्म है। इसका अनुभव बड़ा सुहाना, यादगार रहा। मैंने महसूस किया कि यहां लोग अपने काम को बड़ी गंभीरता से लेते हैं। यही वजह है कि यहां की अधिकांश फिल्में सफल होती हैं। इन्हीं सब कारणों से मैंने मजाकिया अंदाज में यह कह दिया था, मैं अब प्रोफेशनल कारणों से साउथ में बसने वाला हूं। नथिंग सीरियस!

आपने कुछ फिल्में डायरेक्ट भी की हैं, लेकिन इधर कुछ वर्षों से आपने कोई फिल्म डायरेक्ट नहीं की, इसकी क्या वजह है?

मैंने 1999 में 'दिल्लगी' फिर 2016 में 'घायल वंस अगेन' फिर 2019 में 'पल-पल दिल के पास' फिल्मों को निर्देशित किया था। जब भी मैंने डायरेक्शन की बागडोर संभाली, मुझे उन फिल्मों को मना करना पड़ा, जो उस दौरान मुझे ऑफर हुई थीं। मुझे मेरे वेल विशर्स ने यह सलाह दी कि दर्शक आपको बतौर एक्टर सिल्वरस्क्रीन पर देखना चाहते हैं। मुझे लगता है कि एक लीडिंग एक्टर के रूप में मेरा करियर जब अच्छा-खासा चल रहा है तो मुझे उसी पर फोकस करना चाहिए। इसलिए अब मैं डायरेक्शन के बजाय एक्टिंग को तवज्जो दे रहा हूं।

आपके फिल्मी करियर को 42 वर्ष हो चुके हैं, कैसा रहा अब तक का फिल्मी सफर?

बहुत ही अच्छा रहा। मेरी डेब्यू फिल्म 'बेताब' को आज भी लोग भूल नहीं पाए हैं, जबकि इस फिल्म को रिलीज हुए 42 वर्ष हो चुके हैं। मैं अपने करियर का पूरा श्रेय अपने पापा को देना चाहूंगा। अगर उन्होंने मुझे लॉन्च नहीं किया होता तो शायद मेरा एक्टिंग में करियर ही नहीं बनता! मेरे एक्टिंग करियर का दूसरा बड़ा श्रेय मेरे दर्शक, मेरे मेकर्स, मेरे को एक्टर्स सभी को जाता है। कई बार फिल्में नहीं चलीं, लगा अब खत्म हुआ फिल्मी सफर, लेकिन फिर कोई न कोई फिल्म चली और मैं कहता रहा, 'एक मोड़ आया, मैं उत्थे असफलता छोड़ आया' रब दी मेहर बड़ी रही।

आपके प्रति एक डर-सा रहता है लोगों और मीडिया के दिल में, इसकी क्या वजह है?

ऐसा शायद मेरे फिल्मी इमेज की वजह से हुआ है। लेकिन असल जिंदगी में मैं बहुत सॉफ्ट स्पोकन, अच्छे व्यवहार का शख्स हूं। सभी के साथ प्यार से पेश आता हूं। मुझसे मेरे फैंस या मीडिया के लोग डरें, ऐसा मेरा व्यवहार कभी नहीं रहा।

अपनी अपकमिंग फिल्मों के बारे में कुछ बताइए।

आमिर खान प्रोडक्शन की राजकुमार संतोषी निर्देशित 'लाहौर 1947' और जे.पी. दत्ता की 'बॉर्डर 2' आने वाली हैं। इसके अलावा और भी कुछ फिल्मों पर बातचीत चल रही है, वक्त आने पर इस बारे में भी बताऊंगा। *

मेरी पहचान-ढाई किलो का हाथ

जब भी सनी देओल की बात चलती है, 'ढाई किलो का हाथ' का जिक्र जरूर आता है। इस बारे में पूछे जाने पर सनी कहते हैं, 'इस डायलॉग के हिट होने के बाद जब हर जगह, हर कहीं 'ढाई किलो का हाथ' मेरी पहचान से जुड़ने लगा, तो मैं इससे ईरिटेट हो जाता था। लेकिन बाद में मुझे अहसास हुआ कि मेरे फैंस को मेरी यह पहचान पसंद है, तो मैंने भी इसे 'अडॉप्ट' कर लिया। अब मुझे बुरा लगना बंद हो गया है। अब तो मेरे करियर, मेरी पहचान का हिस्सा बन चुका है-ढाई किलो का हाथ।